mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-283 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
14 अक्टूबर 2025 मंगलवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

विराट कोहली करना...
@ पेज 7

अमित शाह ने अशोक गहलोत को जवाब दिया

जयपुर में बोले- हम जो कहते हैं, वो करते; 2027 के बाद 3 साल के अंदर मिल जाएगा न्याय

जयपुर, एजेंसी। जयपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- आज चार लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी हुई है। जब यहां पर राइजिंग राजस्थान समिट चल रहा था, मैं भी आया था। मैंने अशोक गहलोत का कमेंट पढ़ा था कि 35 लाख करोड़ के एमओयू तो किए, जमीन पर कितने उतरेंगे उस वक्त तो हमने किसी को जवाब नहीं दिया था।

मैं आज गहलोत को कहना चाहता हूं कि ये भाजपा की सरकार है। कांग्रेस की सरकार नहीं है। हम जो कहते हैं, वो करते हैं। मुझे खुशी है कि इतने कम समय में भजनलाल सरकार ने 35 लाख करोड़ में से 7 लाख करोड़ के एमओयू को जमीन पर उतारने का काम किया है। ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। देशभर में जो इन्वेस्टमेंट समिट होती है, उसमें एमओयू को जमीन पर उतारने की जो एवरेज दर है, उससे भजनलाल सरकार कई गुना आगे आएगी, इसका मुझे पूरा विश्वास है।

इससे पहल शाह ने जयपुर एग्जिबिशन एंड कंवेंशन सेंटर (JECC) में तीन नए आपराधिक कानूनों पर लगी राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। पिछले तीन महीने में शाह का राजस्थान में यह तीसरा दौरा है। वे यहां मौजूद लोगों को संबोधित कर रहे हैं। शाह ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत मिले निवेश प्रस्तावों में से 4 लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट की नींव रखी। अमित शाह ने करीब 9,600 करोड़ के 1100 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

आईआरसीटीसी घोटाले में लालू-राबड़ी और तेजस्वी के खिलाफ आरोप तय

तेजस्वी बोले- शाह ने एक महीने पहले धमकी दी थी चुनाव लड़ने लायक नहीं छोड़ेंगे

पटना, एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को IRCTC घोटाले में आरोपी मान लिया। अब इस मामले में तीनों के खिलाफ केस चलेगा। कोर्ट ने कहा, लालू की जानकारी में टेंडर घोटाले की पूरी साजिश रची गई। टेंडर में उनका हस्तक्षेप था। इससे लालू परिवार को फायदा हुआ। उधर लालू ने इन आरोपों को निराधार बताया। यह मामला रांची और पुरी स्थित IRCTC की 2 होटलों के टेंडर में भ्रष्टाचार से जुड़ा है। बिहार चुनाव के बीच यह फैसला लालू और आरजेडी के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

इससे पहले लालू व्हील चेयर पर कोर्ट पहुंचे। राबड़ी और तेजस्वी यादव भी उनके साथ थे। लैंड फॉर जॉब्स मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में आज फैसला टला। कोर्ट अब 10 नवंबर को फैसला सुनाएगा।

इधर, सुनवाई के बाद तेजस्वी यादव ने X पर लिखा- जब तक दंगाई और संविधान विरोधी बीजेपी सत्ता में है और मेरी उम्र है बीजेपी से लड़ते रहेंगे। एक महीना पहले बिहार आकर गृहमंत्री अमित शाह जी हमें धमकी दे रहे थे कि हमको चुनाव लड़ने लायक नहीं छोड़ेंगे। हम लड़ेंगे और जीतेंगे। हम बिहारी है बिहारी, बाहरी से नहीं डरते।

तेजस्वी बोले- यह सब राजनीतिक प्रतिशोध है :तेजस्वी यादव ने कहा, हम इस मामले की कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। हमने शुरू से ही कहा था कि जैसे-जैसे चुनाव करीब आएंगे, ऐसी बातें होंगी। हम अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं और अदालत में अपनी बात रखेंगे। जिस व्यक्ति ने रेलवे को 90,000 करोड़ रुपए का मुनाफा दिया, जिसने हर बजट में किराया घटाया, वह ऐतिहासिक रेल मंत्री के रूप में जाने जाते हैं। हार्वर्ड और IIM के छात्र लालू जी से सीखने आए थे। उन्हें मैनेजमेंट गुरु कहा जाता है। बिहार और देश की जनता सच्चाई जानती है।

आगे क्या, कितनी सजा मिलेगी

लालू, राबड़ी और तेजस्वी पर केस चलेगा। लालू यादव पर भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी का आरोप है। इसके अलावा, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120B (आपराधिक साजिश) के तहत आरोप लगे हैं। अगर तीनों के खिलाफ आरोप साबित हुए तो इन्हें एक से 7 साल तक की सजा हो सकती है।

इकोनॉमिक्स का नोबेल दो अमेरिकी और एक ब्रिटिश प्रोफेसर को

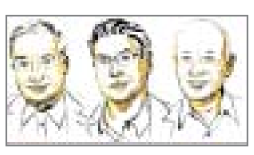

स्टॉकहोम, एजेंसी। इस साल नोबेल पुरस्कार तीन अर्थशास्त्रियों जोएल मोकीर (अमेरिका), पीटर हॉविट (अमेरिका) और फिलिप एघियन (UK) को मिला है। नोबेल समिति ने बताया कि इन अर्थशास्त्रियों ने बताया कि इनोवेशन से कैसे आर्थिक विकास का रास्ता खुलता है। तकनीक तेजी से बदलती है और हम सभी पर असर डालती है। नए उत्पाद और उत्पादन के तरीके पुराने तरीकों को बदलते रहते हैं, और यह प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती। यही लगातार आर्थिक विकास का आधार है, जिससे दुनिया भर के लोगों की जीवन गुणवत्ता, स्वास्थ्य और जीवन स्तर बेहतर होता है। विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (10.3 करोड़ रुपए), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट मिलेगा। पुरस्कार 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में दिए जाएंगे।

अर्थशास्त्र का नोबेल दो भारतीयों को मिल चुका है- अमर्त्य सेन (1998)- गरीबी को समझने और मापने का नया तरीका बताया। अकाल क्यों होते हैं और लोगों की भलाई कैसे बढ़े, इस पर रिसर्च की। उदाहरण- सिर्फ पैसे से नहीं, शिक्षा और स्वास्थ्य से भी गरीबी मापी जानी चाहिए। अभिजीत बनर्जी (2019)- गरीबी हटाने के लिए छोटे-छोटे प्रयोग किए, जैसे स्कूलों में बच्चों को बेहतर पढ़ाई कैसे मिले।

बंगाल मेडिकल स्टूडेंट गैंगरेप केस-

सभी 5 आरोपी गिरफ्तार, ममता के बयान पर पीड़ित के पिता बोले- मेरी बेटी आधी रात बाहर नहीं गई थी

कोलकाता/दुर्गापुर, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में MBBS स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने सोमवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने रविवार को 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। 2 आरोपी फरार थे। वहीं, पीड़ित के पिता ने घटना पर सीएम ममता के बयान को असंवेदनशील बताते हुए दावा किया कि उनकी बेटी आधी रात को बाहर नहीं गई थी। पीड़ित के पिता ने कहा- मेरी बेटी का शुक्रवार (10 अक्टूबर) रात 8 बजे से 9 बजे के बीच रेप हुआ था। उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री ममता ने झूठा दावा किया कि घटना आधी रात के बाद हुई। ममता खुद एक महिला हैं। उसके बावजूद उन्होंने असंवेदनशील टिप्पणी की और कहा कि महिलाओं को रात में बाहर नहीं निकलने देना चाहिए।

ममता ने कहा था- पीड़ित रात के 12:30 बजे बाहर कैसे गई : सीएम ममता ने रविवार को मामले पर कहा था- मैं इस घटना को देखकर स्तब्ध हूं, लेकिन निजी मेडिकल कॉलेजों को भी अपने छात्रों, खासकर लड़कियों का ध्यान रखना चाहिए। पीड़ित रात के 12:30 बजे बाहर कैसे आ गई।

ममता ने आगे कहा- लड़कियों को रात में बाहर नहीं निकलने देना चाहिए। उन्हें अपनी सुरक्षा खुद करनी होगी। खासकर सुनसान इलाकों में सतर्क रहना चाहिए। इस घटना की पूरी जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन की है। निजी कॉलेजों को छात्राओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

ममता के इस बयान के बाद बंगाल भाजपा ने उनकी कड़ी आलोचना की। इसके बाद ममता ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा- मीडिया ने मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया। आप मुझसे एक सवाल पूछते हैं, मैं उसका जवाब देती हूं। इस तरह की राजनीति न करें।

दुष्कर्म को सही ठहराना बंद करें ममता बनर्जी, दुर्गापुर मामले को लेकर भाजपा का टीएमसी पर कड़ा हमला

कोलकाता,एजेंसी। दुर्गापुर सामूहिक दुष्कर्म मामले में पश्चिम बंगाल का राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है और राज्य की ममता बनर्जी सरकार सभी के निशाने पर है। विपक्षी पार्टी भाजपा ने इस मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने ममता सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और पीड़ित पक्ष की बजाय अपराधियों को बचाने का आरोप लगाया।

दबाव बना रही ममता सरकार :पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि तृणमूल हटाओ, बेटी बचाओ, यह बंगाल में हर जगह मुख्य नारा है। तृणमूल को जाना चाहिए, उन्होंने पीड़ित परिवार का सहयोग नहीं किया, अब तक मेडिकल रिपोर्ट नहीं सौंपी। वे नेता प्रतिपक्ष को डॉक्टर से बात नहीं करने दे रहे हैं। उन्होंने ओडिशा से आ रहे महिला आयोग को रोक दिया। प्राइवेट मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने सुबह 8 बजे मुझे फोन किया और कहा कि हम दबाव में हैं, आखिर किसका दबाव ममता बनर्जी का दबाव, ममता की पुलिस का दबाव या ममता के गुंडों का दबाव।

कोल्ड्रिफ के छिंदवाड़ा स्टॉकिस्ट ने मिटाए सबूत, केस होगा

- **जबलपुर में होलसेलर का लाइसेंस निरस्त; रंगनाथन को लेकर तमिलनाडु गई SIT**

छिंदवाड़ा/जबलपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सिरप कांड की जांच का दायरा दवा कंपनी के मालिक और डॉक्टर के बाद अब होलसेलर और केमिस्ट तक पहुंच गया है। खाद्य और औषधि प्रशासन विभाग (FDA) ने एक रिपोर्ट पुलिस को सौंपी है, जिसमें दवा दुकानदारों पर सबूत छिपाने का आरोप लगाया गया है। इसी आधार पर पुलिस अब इन लोगों को मामले में सह-आरोपी बनाने की तैयारी कर रही है।

छिंदवाड़ा में पुराना पावर हाउस इलाके में स्थित 'न्यू अपना फार्मा' के संचालक राजेश सोनी 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप के होलसेलर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने सिरप की बिक्री का कोई रिकॉर्ड नहीं रखा। जांच टीम को बची हुई बोतलें भी जब्त करने के लिए नहीं दीं। एसपी अजय पांडे ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर पुलिस अब सबूत मिटाने के एंगल से जांच कर रही है। इनके खिलाफ जल्द ही केस दर्ज किया जा सकता है। उधर, FDA ने जबलपुर में श्रीसन फार्मा के महाकौशल डीलर और स्टॉकिस्ट कटारिया फार्मास्युटिकल का लाइसेंस भी निरस्त कर दिया है। वहीं, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गठित SIT (विशेष जांच दल) रविवार शाम को मामले के मुख्य आरोपी और श्रीसन फार्मा के मालिक रंगनाथन गोविंदन को लेकर तमिलनाडु के लिए रवाना हो गई। सोमवार को टीम रंगनाथन को पूछताछ के लिए चेन्नई स्थित उसकी फैक्ट्री लेकर पहुंची।

एक टीम पहले से ही कांचीपुरम स्थित श्रीसन फार्मा की फैक्ट्री में जांच कर रही है। टीम वहां कंपनी के कर्मचारियों से पूछताछ करने के साथ-साथ उत्पादन, स्टॉक और कच्चे माल से जुड़े दस्तावेज जब्त कर रही है।

एसपी बोले- किसी को बख्शा नहीं जाएगा

छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने इस मामले पर अपना रुख साफ करते हुए कहा, तथ्यों के आधार पर पुलिस हर संबंधित व्यक्ति की भूमिका की जांच कर रही है। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। ड्रग इंस्पेक्टर्स की टीम ने छिंदवाड़ा शहर के कई बड़े मेडिकल स्टोर्स से 49 अन्य कफ सिरप के सैंपल भी जांच के लिए भोपाल लैब भेजे हैं। इनमें अग्रवाल औषधि भंडार, शिव फार्मा और खंडेलवाल मेडिकल स्टोर जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। जांच में गड़बड़ी मिलने पर 7 दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर उनके लाइसेंस निलंबित या रद्द किए जा सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी बोले- इस्तीफा देना चाहता हूं, मेरी इनकम बंद, अब फिर से फिल्में करूंगा

कुन्नूर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और केरल के त्रिशूर से भाजपा सांसद सुरेश गोपी ने पद से इस्तीफा देने की इच्छा जताई है। उन्होंने रविवार को कन्नूर में एक कार्यक्रम में कहा, मैं अपना एक्टिंग करियर दोबारा शुरू करना चाहता हूं, मुझे ज्यादा इनकम की जरूरत है, मंत्री बनने के बाद मेरी कमाई पूरी तरह से रुक गई है। गोपी ने कहा कि मैंने कभी मंत्री बनने की प्रार्थना नहीं की, चुनावों से एक दिन पहले भी मैंने पत्रकारों से कहा था कि मैं मंत्री नहीं बनना चाहता, मैं अपने सिनेमा में बना रहना चाहता हूं। मेरी जगह राज्यसभा सांसद सी. सदानंदन मास्टर को केंद्रीय मंत्री बनाया जाए। गोपी ने कहा- केरल से पहला भाजपा सांसद होने के कारण पार्टी ने मुझे मंत्री बनाने का फैसला लिया। गोपी वर्तमान में केंद्र में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री और पर्यटन मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। सुरेश गोपी केरल के चुने भाजपा के इकलौते सांसद हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में CPI के वीएस सुनीलकुमार को 74 हजार वोटों से हराया था। उन्होंने पहली बार ही चुनाव लड़ा था। गोपी मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के फेमस एक्टर हैं।

सोनिया गांधी ने वीरभद्र की प्रतिमा का अनावरण किया

- **प्रियंका ने मोदी सरकार पर साधा निशाना; आपदा में मदद नहीं मिलने पर अफसोस जताया**

शिमला, एजेंसी। हिमाचल के छह बार के सीएम रहे स्व. वीरभद्र सिंह की रिज पर लगी प्रतिमा का कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अनावरण किया। सोनिया ने रिमोट का बटन दबाकर प्रतिमा के सामने लगा पर्दा हटाया। पूरा शिमला वीरभद्र सिंह अमर रहे के नारों से गूंज उठा। इस दौरान, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- हिमाचल में भारी बारिश से तबाही हुई। प्रदेश में लोगों के घर, खेत, पाठशालाएं बह गई, लेकिन केंद्र से अब तक मदद नहीं मिली। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा- बीजेपी की राजनीति चुनाव के लिए होती है। ये गलत ढंग की राजनीति है। उन्होंने महात्मा गांधी और वीरभद्र सिंह के दिखाए रास्ते पर चलने की अपील की। उन्होंने कहा- जो रास्ता वीरभद्र सिंह ने हिमाचल की जनता को दिखाया, महात्मा गांधी ने पूरे देश को दिखाया, उस रास्ते पर चलने वाले बहुत कम नेता रह गए हैं। हमारे देश को आज सबसे ज्यादा जरूरत ऐसे नेताओं की है जो पीआर व व इवेंट-बाजी से आगे बढ़कर इस देश के लिए काम करें।

उत्तर रेलवे ने दिवाली-छठ पूजा पर 30 लाख बर्थ बढ़ाईं

बुकिंग बंद का स्टेट्स नहीं दिखेगा; पूर्वांचल, बिहार, झारखंड-यूपी के यात्रियों के लिए फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर रेलवे ने दिवाली और छठ पूजा पर घर जाने वाले यात्रियों को तोहफा दिया है। यात्रियों को अब IRCTC (इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन) पर टिकट बुक करवाते समय कोच 'रिग्रेट' (बुकिंग बंद) का स्टेटस नहीं दिखेगा। रेलवे ने करीब 30 लाख बर्थ बढ़ा दी हैं।टिकटों की बढ़ती मांग को देखते हुए उत्तर रेलवे ने उन ट्रेनों में कोच बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जहां 'रिग्रेट' स्टेटस मिलने की संभावना है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया, स्टेटस 'रिग्रेट' को लेकर पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है।

रेलवे अधिकारी के मुताबिक, इसका फिलहाल अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। कहीं-कहीं टिकट बुकिंग में परेशानी हो रही है, जिस पर काम हो रहा है। ट्रेनों में 3000 अतिरिक्त कोच जोड़े गए हैं, जिसकी संख्या यात्रियों की भीड़ को देखते हुए बढ़ाया भी जा सकता है।

अधिकारी ने आगे बताया, त्योहारों के दौरान स्पेशल ट्रेनें पूर्वांचल, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के लिए चल रही हैं। जैसे-जैसे स्पेशल ट्रेनों की घोषणा हो रही है, उनका शेड्यूल भी जारी कर रहे हैं। सामान्य परिस्थितियों में 150 से ज्यादा वेटिंग नहीं सामान्य परिस्थितियों में 150 से ज्यादा वेटिंग टिकट नहीं देते हैं और बुकिंग बंद कर दी जाती है। त्योहारी सीजन पर बुकिंग प्रणाली में नियमों को लचीला बनाते हुए ट्रेनों में अतिरिक्त कोच की संख्या बढ़ाकर रिग्रेट स्टेटस को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिन ट्रेनों में टिकट की मांग बेहद ज्यादा है, उनमें कोच बढ़ाकर रिग्रेट स्टेटस को हटाने की प्रक्रिया शुरू है। इससे ज्यादा यात्रियों को टिकट बुक करने का अवसर मिलेगा। वेटिंग लिस्ट में फंसे लोगों को भी राहत मिलेगी।

अब कन्फर्म रेल टिकट में यात्रा की तारीख बदल सकेंगे: अब आप अपने कन्फर्म रेल टिकट में यात्रा तारीख बदलवा सकेंगे और इसके लिए आपको कोई कैंसिलेशन फीस या एक्स्ट्रा चार्ज भी नहीं देना पड़ेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी 7 अक्टूबर को NDTV को दी। उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 से यात्री कन्फर्म टिकट को आगे की डेट में चेंज करा सकेंगे। हालांकि इस प्रक्रिया में तारीख बदलने पर कन्फर्म टिकट की गारंटी नहीं होगी। सीट उपलब्धता के आधार पर ही मिलेगी।

एमसीडी के बजट में स्वच्छता, सड़क निर्माण और शिक्षा पर रहेगा जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी ने अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारी की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी है। एमसीडी के वित्त विभाग ने इसके लिए विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया है जिसके तहत सभी विभागों के साथ बैठकें शुरू होंगी। बजट में राजधानी की स्वच्छता, सड़क निर्माण और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि संपत्ति कर, विज्ञापन शुल्क, पार्किंग शुल्क, कनवर्जन चार्ज, टोल टैक्स और विभिन्न प्रकार के लाइसेंस शुल्क को बढ़ाया जा सकता है। इनमें कई वर्षों से बढ़ोतरी नहीं हुई है। साथ ही, खर्चों में कटौती और संसाधनों के कुशल प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उसकी योजना है कि अनावश्यक खर्चों को सीमित किया जाए और उपलब्ध धन का अधिकतम उपयोग उन क्षेत्रों में किया जाए जिनका सीधा संबंध जनता की सुविधा और शहर के विकास से है। एक सप्ताह तक चलने वाली बैठकों में हर विभाग अपनी योजनाओं, खर्च के अनुमान और भविष्य की वित्तीय आवश्यकताओं की जानकारी देगा। एमसीडी का लक्ष्य है कि बजट तैयार करने से पहले सभी विभागों की प्राथमिकताएं और जरूरतें स्पष्ट हो जाएं ताकि अगले वित्तीय वर्ष में कामकाज समय पर शुरू किया जा सके।

एमसीडी सूत्रों के मुताबिक, वित्त विभाग ने प्रत्येक विभाग को प्रस्तावित कार्यों, परियोजनाओं और उनके लिए अनुमानित धनराशि का ब्योरा प्रस्तुत करने को कहा है। यह जानकारी एमसीडी के समेकित बजट का आधार बनेगी। आयुक्त दिसंबर के पहले सप्ताह में बजट प्रस्ताव को स्थायी समिति के समक्ष पेश करेंगे जिसके बाद उसे सदन में अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। इस बार एमसीडी का बजट केवल खर्च का दस्तावेज नहीं बल्कि सुधार और संसाधन-संतुलन का रोडमैप होगा। प्रशासन उम्मीद कर रहा है कि समय से पहले तैयारी और समन्वय से

न सिर्फ राजस्व की स्थिति सुधरेगी बल्कि विकास कार्यों में भी तेजी आएगी।

स्वच्छता, सड़क और शिक्षा क्षेत्र को मिलेगी प्राथमिकता: एमसीडी के अनुसार, आगामी वर्ष के बजट में स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। योजना है कि कूड़ा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जाए, डोर-टू-डोर कलेक्शन सिस्टम को और मजबूत किया जाए और लैंडफिल स्थलों के कचरे के निपटान के कार्य को तेज किया जाए। सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों को भी बजट में अहम स्थान मिलेगा। बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए जल निकासी तंत्र को दुरुस्त करने पर विशेष बल दिया जाएगा। साथ ही, पार्कों के रखरखाव और हरित क्षेत्रों के विस्तार को भी प्राथमिकता सूची में शामिल किया गया है।

स्मार्ट क्लासरूम की संख्या बढ़ेगी: शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी एमसीडी ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए बड़े लक्ष्य तय किए हैं। स्कूलों में आधारभूत ढांचे के सुधार, स्मार्ट क्लासरूम की संख्या बढ़ाने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अलग से बजट प्रावधान किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग को भी क्लीनिकों और अस्पतालों की सुविधाओं को उन्नत करने के लिए अतिरिक्त राशि आवंटित करने की योजना है।

राजस्व बढ़ाना और खर्च पर नियंत्रण: एमसीडी इस समय गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रही है। पिछले वर्षों में राजस्व संग्रह में कमी के कारण कई विकास परियोजनाएं प्रभावित हुईं और नई नहीं बनाई जा रही हैं। इसे देखते हुए इस बार एमसीडी ने बजट प्रक्रिया के प्रारंभिक चरण में ही राजस्व बढ़ाने की दिशा में ठोस रणनीति बनाने का फैसला किया है।

पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व उपराज्यपाल और आईपीएस अधिकारी रहीं किरण बेदी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मुख्यमंत्री ने नवज्योति इंडिया फाउंडेशन के वार्षिकोत्सव में आने की कृपा की है। मेरे अलावा, नवज्योति इंडिया फाउंडेशन की निदेशक नीतू शर्मा भी मौजूद थीं। मैंने उन्हें अपनी दो किताबें भेंट कीं। इट्स ऑलवेज पॉसिबल (तिहाड़ रिफॉर्म्स पर) और फियरलेस गवर्नेंस (पुडुचेरी एडमिन का संस्मरण)।

स्कूटी से 18 लाख की चांदी लेकर बदमाश हुए चंपत, रिपोर्ट लिखने के नाम पर पीड़ित को भटकाती रही पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में शनिवार शाम स्कूटी सवार बदमाशों ने ज्वेलर से रोडरेज के बहाने 18 लाख रुपये की चांदी लूटी और भाग गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन केस दर्ज करने के बजाय उन्हें इधर से उधर टहलाती रही। न्यू उस्मानपुर से पीड़ित को वेलकम थाने भेजा बाद में इधर-उधर दौड़ने के बाद न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है।

पुलिस के मुताबिक पीड़ित रामरत्न अग्रवाल शाहदरा में रहते हैं। यह अपने पिता पवन अग्रवाल के साथ चांदी का काम काम करते हैं। शनिवार दोपहर रामरत्न अपने दोस्त रोहन के साथ चांदनी चौक चांदी खरीदने गए थे। यहां से 18 लाख रुपये की 11 किलो चांदी खरीदी। रामरत्न ने स्कूटी की डिग्गी में चांदी रख ली और घर के लिए निकल गए। जीटी रोड पर जाम लगा होने के कारण रामरत्न ने स्कूटी को न्यू उस्मानपुर थाने वाली रोड पर मोड़ लिया। इस बीच जग प्रवेश चंद्र अस्पताल के पास स्कूटी सवार दो अन्य युवकों ने इनकी स्कूटी को टक्कर मारी और झगड़ने लगे। इस बीच आरोपियों के दो और साथी वहां पहुंच गए। इन लोगों ने रामरत्न की स्कूटी की चाबी निकाल ली। इस बीच लोगों की भीड़ जुट गई। आरोपियों ने इसका फायदा उठाकर डिग्गी से चांदी निकाल ली और भाग गए। चूंकि पीड़ित वेलकम थाना एरिया के रहने वाले थे। इसलिए पुलिस ने उनको वहां भेज दिया। वेलकम थाना पुलिस ने भी घटना न्यू उस्मानपुर की बताकर दोबारा पीड़ित को न्यू उस्मानपुर भेज दिया। बाद में बड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने रामरत्न की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। अब पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

JNU में जल निकायों को मिलेगा नया जीवन, वन्यजीवों को साफ-सुथरा पानी उपलब्ध कराने के लिए उठाया जा रहा कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में जल निकायों के जीर्णोद्धार की तैयारी है। जिससे परिसर में रहने वाले वन्यजीवों को साफ-सुथरा पानी पीने के लिए उपलब्ध हो सकें। इसके लिए जल निकायों को चिन्हित कर लिया गया है।

जेएनयू की एनिमल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. पीयूष प्रताप सिंह ने कहा कि जेएनयू में कई छोटे-बड़े जल निकाय है। गर्मी के मौसम में सूख जाते है। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए जल निकायों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। जिससे वर्षभर उनमें पानी मौजूद रहे और वन्यजीवों को पानी मिल सकें। जल निकायों की सफाई होगी उनमें जमी गाद को निकाला जाएगा। इस संबंध में सोसाइटी की पहली बैठक भी हुई। इसमें जल निकायों के जीर्णोद्धार सहित परिसर में वन्यजीवों के संरक्षण पर निर्णय लिए गए।

इन जगहों पर हैं जल निकाय: सोसाइटी सदस्य विपुल जैन ने बताया कि जेएनयू का 85 फीसदी हिस्सा वन क्षेत्र है। अरावली की पहाड़ियों में अलग-अलग जगहों पर जल निकाय है। पश्चिमाबाद, ब्रह्मपुत्रा, ताप्ती हॉस्टल के पीछे, शिप्रा और कोयना हॉस्टल के पास बड़े जल निकाय है। जबकि सरस्वतीपुरम और न्यू ट्रांजिट हाउस पावर ग्रिड के पास छोटे-छोटे जल निकाय बने हुए है। इसमें पश्चिमाबाद, शिप्रा और कोयना हॉस्टल के पास बने जल निकाय में बने एनीकट में दरार आ गई है। इससे जल संचयन नहीं हो पा रहा है। साथ ही न्यू ट्रांजिट हाउस और ताप्ती हॉस्टल के पास के जल निकायों में सीवेज लाइन से पानी रिसकर आ रहा है। जिससे पानी दूषित हो रहा है।

कई प्रजातियों के जीव करते हैं विचरण: इस संबंध में नगर निगम और सरकार के अधिकारियों से भी बातचीत की गई। जिससे जल निकायों के जीर्णोद्धार की दिशा में कार्य हो सकें। जेएनयू में पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता बनाए रखने के लिए यह जरूरी है। जेएनयू परिसर एक हजार से अधिक एकड़ क्षेत्र में फैला है। इसमें अलग-अलग प्रजाति के वन्यजीव रहते है। जेएनयू में करीब 100-125 नील गाय, 100 इंडियन गोल्डन जैकल, मॉनिटर लिजार्ड, विभिन्न किस्म के सांप, 29 से ज्यादा प्रकार की तितलियां, 200-300 मोर, 300-400 बिल्लियां और 200-250 की तादाद में कुत्ते मौजूद है। इसके अलावा कॉमन पाम सिवेट, स्मॉल इंडियन सिवेट, इंडियन क्रेस्टेड पॉर्क्यूपाइन सहित कई दूसरे जीव परिसर में रहते है।

मुख्यमंत्री ने छठ पूजा की तैयारियों के लिए समिति का किया गठन, कपिल मिश्रा अध्यक्ष नामित

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली में 'छठ पूजा 2025' के आयोजन के लिए स्थानों के चयन एवं तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। कला, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा को इस समिति का अध्यक्ष नामित किया गया है। यह समिति दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में छठ पूजा के लिए उपयुक्त स्थलों की पहचान, सुविधाओं की उपलब्धता, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, परिवहन और श्रद्धालुओं की सहूलियत से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत करेगी। समिति में चार विधायक (अभय कुमार वर्मा, चंदन कुमार चौधरी, संदीप सेहरावत, दीपक चौधरी) सदस्य के रूप में शामिल किए गए हैं।

छठ पूजा के लिए बनाई गई समिति का अध्यक्ष नामित करने पर कपिल मिश्रा ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि छठ पूजा ना केवल पूर्वांचल बल्कि दिल्ली की भी सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने कहा कि यह हमारी सामूहिक आस्था और एकता का प्रतीक भी है लेकिन जानबूझकर पिछली सरकारों ने लाखों-करोड़ों लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया। इस बार दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में पूजा करने का अवसर मिले। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी घाटों पर स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, रोशनी और चिकित्सा सुविधाएं सर्वोत्तम स्तर पर हों।

उन्होंने सभी श्रद्धालुओं और दिल्लीवासियों से अपील कि वे इस महापर्व में उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लें तथा स्वच्छता और व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। छठ केवल एक पर्व नहीं बल्कि दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है और हम सब मिलकर इस पर्व को सफल बनाएंगे। सावन माह में जिस तरह कांवड़ यात्रा सकुशल संपन्न हुई थी, मेरा ये सौभाग्य रहा कि उसके सफल आयोजन की भी मुझे जिम्मेदारी मिली थी। उसी तरह छठ पूजा का ये पर्व भी बड़े ही धूमधाम से संपन्न होगा।

मंत्री कपिल मिश्रा ने ये भी कहा कि दिल्ली में पूर्वांचलवासियों की बड़ी आबादी को देखते हुए सरकार का लक्ष्य छठ पर्व को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित ढंग से मनाना है। पूरे शहर में इस बार लगभग एक हजार स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन होगा। इनमें यमुना तटों के अलावा मुनक नहर, कृत्रिम तालाब भी शामिल होंगे। सरकार ने सभी स्थलों पर स्वच्छता, जल छिड़काव, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए हैं। श्रद्धालुओं के लिए चिकित्सा सुविधाएं और विशेष प्रकाश व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जाएगी। सिंचाई विभाग को यमुना से जलकुंभी हटाने का काम सौंपा गया है।

दिल्ली में हादसा : सब्जी मंडी इलाके में गैस सिलेंडर लीकेज से धमाका, मकान में लगी आग, एक परिवार के पांच लोग घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके में सोमवार सुबह एक मकान में एलपीजी लिकेज के बाद हुए धमाके के बाद आग लग गई। हादसे में एक ही परिवार के पांच लोग जख्मी हो गए। सुबह 9.29 बजे सूचना मिलने के बाद पुलिस के अलावा दमकल की दो गाड़ियां नई बस्ती, किशनगंज के मकान में पहुंची। हादसे में रसोई की दीवार गिर गई। घायलों को एंबुलेंस और पीसीआर की मदद से आरएमएल और एलएनजेपी अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। सब्जी मंडी थाना पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

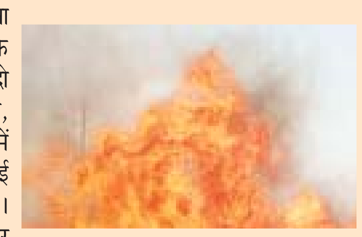

सेना ने वर्षों तक सरकारों को अस्थिर करने के लिए टीएलपी का किया इस्तेमाल; अब गले की हड्डी बना वही हथियार

इस्लामाबाद, एजेंसी। लाहौर में हिंसक झड़पें और इस्लामाबाद में भारी तनाव की वजह बना अति-दक्षिणपंथी इस्लामी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पाकिस्तानी फौज की तरफ से पोषित एक खतरनाक आतंकवादी संगठन है। जिस संगठन को कभी पाकिस्तानी सेना ने अपनी राजनीतिक चालों के मोहरे के रूप में इस्तेमाल किया था, वही आज उसके लिए गले की हड्डी बन गया है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की खुफिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी आर्मी ने वर्षों तक टीएलपी को सरकारों को अस्थिर करने और देश को कट्टर शरिया शासन की दिशा में धकेलने के लिए प्रयोग किया, लेकिन अब वही संगठन सड़कों पर सेना और सरकार दोनों के खिलाफ उतर आया है। अति- दक्षिणपंथी बरेलवी सुन्नी विचारधारा पर आधारित तहरीक-

ए-लब्बैक पाकिस्तान की स्थापना 2015 में मौलाना खादिम हुसैन रिजवी ने की थी।

कट्टरपंथी गुटों की तर्ज पर सेना ने ही बढ़ाया: रिपोर्ट के अनुसार टीएलपी को उसी तर्ज पर खड़ा किया गया जिस तरह लश्कर-ए-तैयबा और अन्य कट्टरपंथी गुटों को पाकिस्तानी सेना ने अपनी घरेलू राजनीति और सामरिक हितों के लिए बनाया था। सेना ने टीएलपी जैसे संगठनों को कभी सक्रिय तो कभी निष्क्रिय रखकर देश की राजनीतिक दिशा को प्रभावित किया। अटलांटिक काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक 2017 में टीएलपी का इस्लामाबाद धरना तभी समाप्त हुआ जब सेना ने खुद बीच में आकर नवाज शरीफ सरकार से समझौता करवाया। बाद में सामने आए एक वीडियो में एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी को प्रदर्शनकारियों के बीच पैसे बांटते हुए देखा गया था।

2017 में ठप कर दिया था

इस्लामाबाद: यह समूह पहली बार 2017 में सुर्खियों में आया, जब इसने इस्लामाबाद को 21 दिनों तक घेर लिया था। उस समय टीएलपी ने सरकार पर ईशनिंदा कानून में बदलाव का आरोप लगाते हुए राजधानी को ठप कर दिया था। 2020 में जब फ्रांस में पैगंबर मोहम्मद के कथित ईशनिंदा कार्टून छपे तो टीएलपी ने पूरे पाकिस्तान में हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिए। उन्होंने फ्रांसीसी राजदूत को निष्कासित करने की मांग की और सार्वजनिक रूप से फ्रांस के झंडे जलाए। अप्रैल 2021 में पाकिस्तानी सरकार ने टीएलपी पर प्रतिबंध लगाया और इसके मौजूदा प्रमुख साद हुसैन रिजवी (संस्थापक खादिम रिजवी के बेटे) को आतंकवाद-निरोधी क़ानूनों के तहत जेल में डाल दिया गया। लेकिन कुछ महीनों बाद ही प्रतिबंध हटा लिया गया।

दाने-दाने के मोहताज हैं गाजा के 20 लाख लोग

काहिरा/वाशिंगटन, एजेंसी। युद्ध में तबाह हो चुके गाजा के लोगों को अब भर पेट खाना मिलने की उम्मीद है। संघर्षविराम समझौते के तहत सहायता सामग्री की आपूर्ति तेज करने की तैयारियां जारी हैं। गाजा में मानवीय सहायता के लिए जिम्मेदार इस्राइली रक्षा इकाई सीओजीएटी ने कहा कि समझौते के अनुसार गाजा पट्टी में पहुंचने वाली सहायता की मात्रा बढ़कर लगभग 600 ट्रक प्रतिदिन हो जाने की उम्मीद है।

मिस्र ने कहा कि उसने रविवार को 400 ट्रक सहायता सामग्री गाजा भेजी है। इन ट्रकों की इस्राइली सेना जांच करेगी। इसके बाद ही इन्हें अंदर जाने की अनुमति मिलेगी। वीडियो फुटेज में दिखाई देता है कि दर्जनों ट्रक मिस्र की ओर से राफा सीमा पार कर रहे हैं। मिस्र के रेड क्रिसेंट ने कहा कि इन ट्रकों में दवाएं, टेंट, कंबल, खाना व ईंधन हैं। ये ट्रक निरीक्षण के लिए केरम शालोम क्रॉसिंग के क्षेत्र में भेजे जाएंगे, जहां इस्राइली सैनिक उनकी जांच करेंगे। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि लगभग 1.70 लाख मीट्रिक टन भोजन, दवाएं व अन्य मानवीय सहायता गाजा भेजे जाने के लिए तैयार है और इसके लिए इस्राइली अनुमति की प्रतीक्षा है।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 6 अफीकी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी जिले की पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे छह अफ्रीकी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई निहाल विहार थाना क्षेत्र में की गई। पुलिस की गश्ती टीम ने सतर्कता दिखाते हुए सभी को मौके पर पकड़ लिया। बाद में सभी को कानूनी प्रक्रिया के तहत विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को सौंप दिया गया है ताकि उनके निर्वासन की कार्रवाई पूरी की जा सके। बाहरी जिले के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने सोमवार को बताया कि दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए अभियान तेज किया गया है। निहाल विहार थाने की टीम ने 10 अक्टूबर को चंदर विहार इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि कुछ विदेशी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के एक मकान में रह रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम ने छापा मारा। पुलिस को देखकर छह विदेशी नागरिक भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें मौके पर ही दबोच लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने पासपोर्ट और वीजा दस्तावेज दिखाने में असमर्थता जताई। आगे जांच में पाया गया कि उनके वीजा की अवधि समाप्त हो चुकी है और वे लंबे समय से दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे थे। गिरफ्तार विदेशी नागरिकों की पहचान कैमरून निवासी फ्रैंक फोटचिंग, रोमियो लूसियन, नाइजीरिया निवासी सैमुएल, माल्क फराडे, इनौसा, घना निवासी इवांस डांसो के रूप में हुई है। पुलिस ने विदेशी नागरिकों को आश्रय देने के आरोप में मकान मालिक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार सभी छह विदेशी नागरिकों को नरेला स्थित डिटेंशन सेंटर में रखा गया है।

सब खुश...ये 8वीं जंग जो मैंने रुकवाई, ट्रंप ने फिर लिया भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का क्रेडिट

वाशिंगटन, एजेंसी। गाजा के मुद्दे पर मिस्र के शर्म अल-शेख शहर में आज होने वाले शांति शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया के 20 शीर्ष नेता शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी सम्मेलन में शामिल होने के लिए मिस्र की ओर से निमंत्रण भेजा गया था, हालांकि वे इसमें शामिल नहीं होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति इस बाबत अमेरिका से एयरफोर्स वन विमान से रवाना हो चुके हैं। वे पहले इस्राइल जाएंगे। इसके बाद वहीं से मिस्र रवाना हो जाएंगे। उनकी ओर से इस्राइल-हमास युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद से पहली यात्रा है। इस्राइल रवाना होने से पहले उन्होंने इस दौरे को बेहद खास बताया। ट्रंप ने कहा कि यह एक बहुत खास समय होने जा रहा है... हर कोई इस पल को लेकर बेहद उत्साहित है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। आमतौर पर अगर एक पक्ष खुश होता है, तो दूसरा नाराज होता है। लेकिन इस बार सब एक साथ प्रसन्न हैं।

गौरतलब है कि मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ इस शांति शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के साथ-साथ पश्चिम एशिया में स्थायी शांति लाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। यह शिखर सम्मेलन राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना के प्रथम चरण के प्रभावी होने के कुछ दिनों बाद होने जा रहा है। ट्रंप के अलावा सम्मेलन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल होंगे। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एयरफोर्स वन में पत्रकारों से की बात: उअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व दौरे पर रवाना होने से पहले एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह दौरा क्षेत्र

के देशों को एकजुट कर स्थायी शांति की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि हम सबको खुश करने जा रहे हैं। हर कोई खुश है...चाहे यहूदी हो, मुस्लिम या अरब देश। हम इस्राइल के बाद मिस्र जा रहे हैं, और वहां मेरी बहुत ताकतवर, बड़े और अमीर देशों के नेताओं से मुलाकात होगी। और सभी इस समझौते के साथ हैं।

जंग खत्म हुई: द इस दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या इस्राइल और हमास के बीच का युद्ध अब समाप्त हो चुका है। इस पर ट्रंप ने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा कि हां युद्ध खत्म हो गया है और मुझे पूरा भरोसा है कि युद्धविराम कायम भी रहेगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है यह टिकेगा। बहुत सारे कारण हैं। लोग अब थक चुके हैंज यह सदियों से चल रहा है, अब लोग इसे खत्म देखना चाहते हैं।

यह आठवीं जंग है जिसे मैंने सुलझाया: आगे पत्रकारों से वार्ता करते हुए ट्रंप ने फिर से खुद को युद्ध शांत कराने वाला करार दिया। ट्रंप ने कहा कि यह आठवीं जंग है जिसे उन्होंने सुलझाया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें खबर मिली है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच भी संघर्ष जारी है, और वे लौटकर उस पर भी ध्यान देंगे। ट्रंप ने कहा कि यह मेरी आठवीं जंग होगी जिसे मैंने सुलझाया है। और मुझे बताया गया कि अब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच भी युद्ध चल रहा है। इस पर मैंने कहा कि मेरे लौटने तक इंतजार करना होगा। क्योंकि मैं अभी एक और जंग को सुलझा रहा हूं। लौटने पर उसे भी सुलझा लूंगा। क्योंकि मैं युद्ध सुलझाने में अच्छा हूं।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का फिर लिया क्रेडिट: ट्रंप ने बातचीत के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने की बात एक बार फिर दोहराई। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों के बीच तनाव को आर्थिक दबाव के जरिए खत्म कराया था। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बारे में सोचिए। मैंने कुछ युद्ध सिर्फ टैरिफ के आधार पर सुलझाए। मैंने कहा कि अगर तुम लोग लड़ाई करना चाहते हो और परमाणु हथियार रखते हो, तो मैं तुम दोनों पर 100, 150, यहां तक कि 200 प्रतिशत टैरिफ लगाऊंगा। मैंने कहा कि नैं ऐसा कर रहा हूं और इसके बाद मामला 24 घंटे में ही सुलझ गया। अगर टैरिफ न होते, तो वह युद्ध कभी नहीं रुकता।

इस्राइल में सात तो मिस्र में तीन घंटे बिताएंगे ट्रंप: अमेरिकी राष्ट्रपति अपने दौरे के दौरान ट्रंप इस्राइल में सात घंटे से भी कम समय बिताएंगे और फिर लगभग तीन घंटे के लिए मिस्र रुकेंगे, उसके बाद वे वॉशिंगटन लौट जाएंगे। इस्राइल के बाद ट्रंप मिस्र के शर्म-अल-शेख शहर जाएंगे, जहां आज दोपहर शांति समारोह आयोजित किया जाएगा। यहीं पर युद्धविराम समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है, हालांकि समझौते के विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

हमास 20 बंधकों को आज करेगा रिहा: माना जा रहा है हमास सोमवार सुबह 20 जीवित बंधकों को रिहा करेगा। दो साल पहले 7 अक्तूबर, 2023 को हमास ने इस्राइल के कई शहरों पर हमला किया था, जिसमें लगभग 1200 लोग मारे गए थे। हमास ने 251 लोगों को बंधक भी बनाया था, जिनमें से 50 से ज्यादा अब भी उसकी कब्जे में हैं। गाजा में तब से अब तक इस्राइली सैन्य अभियान में 66 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

ठगी के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान मोहम्मद अकबर (32) और रूपेंद्र कुमार (36), दोनों दिल्ली निवासी, के रूप में हुई है। आरोपित नकली वेबसाइट और फर्जी जॉब कंसल्टेंट बनकर लोगों से पैसे ऐंठते थे। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्तहरेश्वर स्वामी ने सोमवार को बताया कि रोहिणी सेक्टर-28 निवासी शिकायतकर्ता एक महिला ने बताया था कि उन्हें एक व्यक्ति ने 'स्टेप्स 4 कैरियर.कॉम' के नाम से नौकरी दिलाने का झांसा दिया और पैनल एडवोकेट की पोस्ट के लिए 39,498 रुपये विभिन्न शुल्कों के रूप में वसूले, लेकिन भुगतान के बाद न तो नौकरी मिली, न पैसा लौटा। शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। इंस्पेक्टर गोविंद सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी के जरिये पता लगाया कि ठगी की रकम एक्सिस बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के खातों में ट्रांसफर की गई थी। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अकबर और रूपेंद्र को दिल्ली से गिरफ्तार किया, जबकि तीसरा आरोपित प्रद्युमन पांडे अब भी फरार है। जांच में सामने आया कि प्रद्युमन पांडे मुख्य मुख्य आरोपित है, जो दूसरों के बैंक खातों का इस्तेमाल ठगी की रकम जमा करने के लिए करता था।

सभी योजनाओं का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो : कलेक्टर

जिले को प्रदेश के शीर्ष 5 में लाने का संकल्प शिकायत निवारण में लापरवाही बर्दाश्त नही

मीडिया ऑडिटर , सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि शासन की प्राथमिक योजनाओं का क्रियान्वयन गति और गुणवत्ता दोनों के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सीधी जिला शासन की सभी फ्लैगशिप योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश के शीर्ष 05 जिलों में अपनी जगह बनाए। कलेक्टर ने कहा कि भोपाल में हाल ही में आयोजित कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों को धरातल पर उतारना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों से कहा कि अपने विभाग की योजनाओं की विकासखंडवार गहन समीक्षा करें और 15 दिनों के भीतर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

कलेक्टर ने उपखंड अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने-अपने उपखंडों में चल रही सभी योजनाओं, अभियानों और कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा एवं निगरानी करें ताकि क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही न हो। बैठक में कलेक्टर ने स्वावलंबी गौशालाओं तथा सभी नगरीय निकायों को गीता भवन के निर्माण हेतु आवश्यक जमीन का शीघ्र चिन्हांकन और आवंटन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के लिए भूमि चिन्हांकन में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में कलेक्टर ने उपसंचालक पशुपालन विभाग को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता एवं सुचारू वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विभागों को निर्देश दिए कि वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाएं। कलेक्टर ने विभिन्न मीडिया में प्रकाशित एवं प्रसारित नकारात्मक खबरों को पूरी गंभीरता से लेने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि ऐसी खबरों का तत्काल परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। यदि खबर तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है तथा जानबूझकर शासन की छवि खराब करने का प्रयास है तो संबंधित व्यक्ति से भी स्पष्टीकरण लिया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही, जिले में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं और सकारात्मक प्रयासों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि आम जनता तक सही जानकारी पहुंचे। बैठक में कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम और सीएम हेल्पलाइन की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों के निराकरण में तेजी और पारदर्शिता रखी जाए।

धनपुरी नगरपालिका का एएसआई 3 हजार रिश्वत लेते भवन स्वीकृति के लिए मांगे थे 10 हजार, गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। शुक्रवार को शहडोल की धनपुरी नगरपालिका में लोकायुक्त रीवा की टीम ने बड़ी कार्रवाई की। टीम ने सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) इंद्र बहादुर सिंह उर्फ आई.बी. सिंह को 3 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह रिश्वत वार्ड नंबर 2 निवासी योगेंद्र वर्मा से भवन निर्माण की स्वीकृति के लिए मांगी गई थी ।जानकारी के अनुसार, एएसआई ने योगेंद्र वर्मा से भवन स्वीकृति के लिए 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। मोलभाव के बाद यह राशि 5 हजार रुपए तय हुई। पीड़ित ने पहले ही 2 हजार रुपए की पहली किस्त दे दी थी। शेष 3 हजार रुपए देते समय लोकायुक्त टीम ने जाल बिछाकर एएसआई को पकड़ लिया। लोकायुक्त की 15 सदस्यीय टीम ने धनपुरी नगरपालिका परिसर में दबिश दी और मौके से रिश्वत की रकम बरामद की। इस कार्रवाई से परिसर में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि इस मामले में नगरपालिका का स्थायी कर्मचारी रज्जन चौधरी भी

एएसआई के साथ शामिल था। टीम ने दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की पूछताछ जारी है। कार्रवाई के बाद नगरपालिका कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कई कर्मचारी अचानक गायब हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, धनपुरी नगरपालिका में लंबे समय से रिश्वतखोरी और मनमानी व्याप्त है, जहां आम नागरिकों को छोटे-छोटे कामों के लिए भी रिश्वत देनी पड़ती है। लोकायुक्त की इस कार्रवाई से नगरपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगने की उम्मीद है। लोगों ने इस पहल की सराहना की है।

धनंजय मिश्रा को सौंपा गया जिला पंचायत का सीईओ का अतिरिक्त प्रभार

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने आदेश जारी कर प्रशासनिक कार्यों की सुचारूता एवं कार्य सुविधा के दृष्टिकोण से अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी धनंजय मिश्रा को उनके वर्तमान कार्य के साथ-साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सीधी का अस्थायी प्रभार (आहरण एवं संवितरण अधिकार सहित) सौंपा है। यह व्यवस्था आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से प्रभावशील रहेगी।

गोरियरा डैम में 17 साल का लड़का डूबा, मौत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के गोरियरा बांध में सोमवार दोपहर एक 17 साल का लड़का डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। वह अपने दोस्तों के साथ नहाने गया था। 4 घंटे की मशक्कत के बाद एसडीआरएफ की टीम ने उसका शव बरामद किया। मृतक कन्हैया कुमार गौतम है।

जानकारी के अनुसार, कन्हैया अपने दोस्तों के साथ बंधा के पास पार्टी करने गया था। दोपहर करीब 1 बजे वे सभी नहा रहे थे, तभी कन्हैया गहरे पानी में चला गया और वापस नहीं लौटा। जब वह काफी देर तक दिखाई नहीं दिया, तो उसके दोस्त राकेश केवट और अन्य साथियों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन वे उसे ढूंढ नहीं पाए। इसके बाद उन्होंने परिवार और पुलिस को सूचना दी।

बेटे ने बुज़ुर्ग माता-पिता पर किया हमला,पत्नी से लड़ रहे बेटे को रोक रहे थे दंपती; दोनों अस्पताल में एडमिट

मीडिया ऑडिटर , सीधी (निप्र)। जिले के सिहावल जनपद पंचायत के ग्राम कुकराव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक बेटे ने अपने बुज़ुर्ग माता-पिता पर हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना सोमवार को सुबह करीब 11 बजे हुई ।जानकारी के अनुसार, पीड़ित उमाकांत दीक्षित ने बताया कि उनका बेटा श्रीकांत दीक्षित अपनी पत्नी से कमरे के सामने झगड़ा कर रहा था। जब उमाकांत और उनकी पत्नी कृष्णा दीक्षित ने बेटे को समझाने और पत्नी पर हाथ उठाने से रोकने की कोशिश की, तो श्रीकांत का गुस्सा बढ़ गया। गुस्से में आकर श्रीकांत ने अपनी पत्नी को छोड़कर सीधे अपने माता-पिता पर हमला कर दिया। मारपीट में दोनों बुज़ुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से उन्हें तत्काल नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है ।इस घटना के बाद पूरे गांव में आक्रोश और हैरानी का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि श्रीकांत का व्यवहार पहले से ही आक्रामक रहा है और उसके घर में अक्सर झगड़े होते रहते हैं।

शिकायत आने पर कार्रवाई करेंगे: थाना प्रभारी बहरी राजेश पांडे ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि ग्राम कुकराव में पारिवारिक विवाद के चलते मारपीट हुई है। पुलिस को अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने आश्वासन दिया कि माता-पिता के स्वस्थ होने और आवेदन देने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक संपन्न

नशा समाज के लिए खतरा, इसे जड़ से मिटाने समन्वित प्रयास आवश्यक : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी की उपस्थिति में जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम, अवैध तस्करी पर नियंत्रण तथा जन-जागरूकता से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि मादक पदार्थों की तस्करी की प्रवृत्तियों से संबंधित सूचना एवं आसूचना का नियमित आदान-प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही अफीम, भांग, गांजा आदि की अवैध खेती पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोहों, व्यक्तियों

एवं सदस्यों पर सतत निगरानी रखी जाएगी।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा कि मादक पदार्थों की समस्या केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि यह सामाजिक जिम्मेदारी का प्रश्न भी है। समाज के सभी वर्गों का सहयोग लेकर इस अभिशाप को समाप्त करना होगा। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि शिक्षण संस्थानों, पंचायतों एवं सामाजिक संगठनों के माध्यम से जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए।

पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने कहा कि पुलिस विभाग अवैध मादक तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है। जिले की सीमाओं पर निगरानी बढ़ाई गई है और संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत करते हुए अंतर्राज्यीय गिरोहों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि मादक फसलों की अवैध खेती से प्रभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां वैकल्पिक आजीविका कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि किसान वैधानिक खेती की ओर अग्रसर हों। साथ ही मेडिकल स्टोर, क्लीनिक, झोला छाप चिकित्सक एवं सरकारी आपूर्ति केंद्रों में प्रतिबंधित दवाओं के स्टॉक एवं गुणवत्ता की नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए। अंत में कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे परस्पर समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिले को नशामुक्त और जागरूक समाज की दिशा में आगे बढ़ाएं।

रील बनाने पुल से लटका नाबालिग सोन नदी में बहा कपड़े की रस्सी बांधकर झूल रहा था, रस्सी छूट गई

मीडिया ऑडिटर , शहडोल (निप्र)। शहडोल के सोहागपुर थाना क्षेत्र में रील बनाने के चक्कर में 14 साल का अंश सोन नदी में बह गया। हादसे के 36 घंटे बाद भी अंश का पता नहीं चल पाया है। एसडीआरएफ की टीम सोमवार को भी सर्चिंग अभियान चला रही है। पुलिस के मुताबिक बुढ़ार थाना क्षेत्र का रहने वाला अंश अपने कुछ दोस्तों के साथ नवलपुर सोन नदी पुल पर घूमने आया था। दोस्तों ने रपटा पुल के एक पत्थर से कपड़े की रस्सी बनाई और नदी के तेज बहाव में उतरकर रील बनाने लगे। अंश भी रस्सी के सहारे नदी में उतरा, लेकिन उसका हाथ छूट गया। वह तेज बहाव में बह गया। अंश के दोस्त उसे बहते हुए देखते रहे, लेकिन बचा नहीं पाए। इसके बाद दोस्तों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

36 घंटे से बाद भी नहीं मिला कोई सुराग है: सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस एसडीईआरएफ के साथ मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। हादसे का 4 सेकेंड का एक वीडियो भी अंश के दोस्तों के मोबाइल में कैद हुआ है। पुलिस वीडियो के आधार पर जांच कर रही है। हालांकि, 36 घंटे से ज्यादा समय के बाद भी अंश का कोई सुराग नहीं मिला है।

एसडीईआरएफ के प्रभारी उप निरीक्षक कोमल सिंह ने बताया कि नदी में तेज बहाव के कारण बचाव कार्य में दिक्कतें आ रही हैं। टीम ने लगभग 30 किलोमीटर तक तलाशी अभियान चलाया है, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है। बचाव दल लगातार काम कर रहा है।

नर्मदा नदी के तेज बहाव में बहा सॉफ्टवेयर इंजीनियर: तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में नर्मदा स्नान के दौरान एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर बह गया। उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। वह घर पर आए दोस्तों को ओंकारेश्वर घुमाने लाया था। दोस्तों के साथ ही नाविकों ने भी उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव के कारण किसी ने रिस्क नहीं लिया।

बैंक पैसा जमा करने निकलें युवक की हत्या कर जलाने का प्रयास जंगल में मिला अधजला शव

मीडिया ऑडिटर , शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में एक युवक की हत्या कर उसके शव को जलाने का प्रयास किया गया है। युवक 10 अक्टूबर को बैंक में पैसे जमा करने घर से निकला था, जिसके बाद वह लापता हो गया था। उसका अधजला शव ब्यौहारी के पास जंगल में मिला है। वन विभाग के कर्मचारियों ने सर्चिंग के दौरान शव देखा और पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान बिजही थाना ब्यौहारी निवासी 23 वर्षीय राजकुमार साहू के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, राजकुमार 10 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे ब्यौहारी बैंक में 12 हजार रुपए जमा करने निकला था। यह राशि एक ईएमआई की किस्त के लिए थी। दोपहर करीब 3 बजे राजकुमार की अपनी मां से बात हुई थी, जिसमें उसने जल्द घर लौटने की बात कही थी। इसके बाद उसका परिजनों से संपर्क टूट गया और वह घर नहीं लौटा। अगले दिन, 11 अक्टूबर को परिजनों ने ब्यौहारी थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी ।राजकुमार का शव शहडोल-रीवा मार्ग पर हनुमान घाटी के पास मुख्य सड़क से लगभग 500 मीटर अंदर जंगल में मिला। शव को पत्तों से ढककर जलाने की कोशिश की गई थी। पुलिस को अंदेशा है कि युवक पर पहले पत्थर से हमला किया गया और फिर उसकी हत्या कर शव को आग लगाई गई। ब्यौहारी थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि युवक की हत्या कर शव को जलाने का प्रयास किया गया है। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

अल्पविराम कार्यशाला में सिखाया गया खुशहाल जीवन का मंत्र

मीडिया ऑडिटर ,सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के सभागार में विकासखण्ड स्तरीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा समाजसेवी गजेन्द्र सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों के स्वागत एवं माल्यार्पण उपरांत विभिन्न सत्रों की शुरुआत हुई। प्रथम सत्र में प्रार्थना, अतिथि उद्बोधन एवं आनंद संस्थान का परिचय प्रस्तुत किया गया। इसके बाद हुए मुख्य सत्र में जिले के मास्टर ट्रेनर डॉ. संजय श्रीवास्तव ने 'आनंद की ओर' विषय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मेरा आनंद क्या है और मैं अपने आनंद को कैसे बढ़ा सकता हूं कृ इन प्रश्नों पर मनन कर हम जीवन के उतार-चढ़ाव और

तनावपूर्ण वातावरण में स्वयं, परिवार, समाज तथा प्रकृति के साथ सकारात्मक व्यवहार करते हुए अपना जीवन खुशहाल बना सकते हैं। अगले सत्र में शिवदत्त उरमलिया ने जीवन का लेखा-जोखा, ऑडिट बैलेंस शीट और वही खाता जैसे शब्दों को जीवन के भावों से जोड़ते हुए अपने जीवन को खुशमय बनाने की प्रेरणा दी। प्रश्नोत्तरी विधा के माध्यम से सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजीव तिवारी, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अनिल पाठक, बीआरसी प्रकाश जायसवाल, परामर्शदाता रामनिवास सोनी सहित विभिन्न विभागों - शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, पंचायत, पुलिस तथा एनआरएलएम विभागों से लगभग 70 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

आमडाड़ का आंगनवाड़ी केंद्र तो खुला, लेकिन बच्चे नदारद

गांव वाले बोले- नाम दर्ज कराने या फोटो खिंचवाने बुलाया जाता है, फिर लगा दिया जाता है ताला

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सरकारी योजनाओं के ज़रिए बच्चों के पोषण और प्रारंभिक शिक्षा के लिए चलाए जा रहे आंगनवाड़ी केंद्रों की वास्तविक स्थिति एक बार फिर सवालों के घेरे में है। सीधी जिले के रामपुर नैकिन क्षेत्र के ग्राम आमडाड़ स्थित आंगनवाड़ी केंद्र नंबर 1 में बड़े पैमाने पर अनियमितता और लापरवाही सामने आई है। सोमवार को जब मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया गया तो आंगनवाड़ी केंद्र पूरी तरह से खाली पाया गया। यहां ना तो कोई बच्चा मौजूद था और ना ही केंद्र की सहायिका उपस्थित थीं। रिकॉर्ड के अनुसार, इस केंद्र में कुल 53 बच्चे दर्ज हैं।

ग्रामीण बोले- कभी नियमित रूप से नहीं खुलती: ग्रामीणों ने इस केंद्र के संचालन पर सवाल उठाते हुए बताया कि आंगनवाड़ी भवन कभी भी नियमित रूप से नहीं खुलता। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चे केवल नाम दर्ज कराने या फोटो खिंचवाने के लिए बुलाए जाते हैं। उसके बाद केंद्र पर ताला लग जाता है, जिससे यह हमेशा सूना पड़ा रहता है।

कार्यकर्ता की सफाई, सहायिका पर ठीकरा: इस मामले में जब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनीता सिंह से बात की गई तो उन्होंने पूरे मामले का ठीकरा सहायिका पर फोड़ दिया। कार्यकर्ता ने कहा, मैं रोज़ केंद्र आती हूं, लेकिन बच्चों को बुलाने का काम सहायिका रामबाई साकेत का होता है। आज भी बच्चे आए थे, उन्हें नाश्ता दिया गया और सहायिका उन्हें यह कहकर घर ले गईं कि उनके यहां कुछ जरूरी काम है। नियमानुसार, आंगनवाड़ी केंद्र सुबह 10 बजे खुलने से लेकर शाम 4 बजे तक संचालित होना चाहिए, लेकिन आमडाड़ केंद्र में यह व्यवस्था केवल कागज़ों तक ही सीमित है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण योजना पर सीधा असर पड़ रहा है।

परियोजना अधिकारी ने दिए जांच के आदेश: मामले की गंभीरता को देखते हुए जब रामपुर नैकिन के परियोजना अधिकारी शिवानंद शुक्ला से संपर्क किया गया तो उन्होंने घटना की जानकारी नहीं होने की बात कही। अधिकारी ने कहा, मुझे इस घटना की जानकारी नहीं थी। केंद्र में हाल ही में नई कार्यकर्ता की नियुक्ति हुई है। मैं इस पूरे मामले की तत्काल जांच कराता हूं और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

मकान मालिक के जागने पर की थी मारपीट, नकदी और सामान लूटा; 2 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले की विंध्यनगर थाना पुलिस ने घर में घुसकर लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान अजय साकेत और अनवर अली के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया सामान भी बरामद कर लिया है।

थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी ने बताया कि यह घटना 9 अक्टूबर को सुबह 5 बजे दुधीचुआ एनसीएल कॉलोनी में अमर सिंह चौहान के घर पर हुई थी। आरोपी घर में घुसे, लेकिन अमर सिंह चौहान जाग गए। इसके बाद आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और गाली-गलौज की। आरोपियों ने अमर सिंह चौहान की शर्ट की जेब से पैन कार्ड, आधार कार्ड, मोबाइल फोन और 3000 रुपए नकद लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

ममता की संवेदनहीनता, पीड़ित छात्रा को ही कठघरे में खड़ा कर दिया

संपादकीय

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक मेडिकल कालेज की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जिस तरह पीड़ित छात्रा को ही कठघरे में खड़ा कर दिया, वह आश्चर्यचकित करने के साथ ही उनकी संवेदनहीनता को भी रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि वह लड़की रात को साढ़े बारह बजे मेडिकल कालेज परिसर से बाहर कैसे आ गई?

क्या ऐसा करना अनुचित-अपराध है अथवा इसके कारण अपराधियों को कुछ भी करने की छूट मिल जाती है? ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि लड़कियों को रात में बाहर नहीं निकलना चाहिए। ऐसे बयान देकर तो वे अपराधी तत्वों के दुस्साहस को बढ़ाने का ही काम कर रही हैं। यह शर्मनाक है कि जब उन्हें पीड़ित छात्रा और उसके स्वजन के पक्ष में खड़ा दिखना चाहिए, तब वे उन्हें ही कठघरे में खड़ा कर रही हैं।

यह पहली बार नहीं है जब ममता ने बंगाल में कानून एवं व्यवस्था को चुनौती देने वाली किसी घटना पर गैर-जिम्मेदाराना बयान दिया हो। वे ऐसे बयान देने के लिए ही जानी जाती हैं। कोलकाता के चर्चित पार्क स्ट्रीट सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर उन्होंने उसे मनगढ़ंत बताते हुए यह भी जोड़ा था कि इस वारदात के जरिये राज्य सरकार को बदनाम करने का इरादा था।

यह भी किसी से छिपा नहीं कि पिछले वर्ष कोलकाता के ही आरजी कर मेडिकल कालेज में एक डाक्टर से दुष्कर्म और हत्या की देश को झकझोर देने वाली घटना पर पुलिस और प्रशासन ने किस तरह लीपापोती वाला रवैया अपनाया था। इसके चलते ही देश भर में आक्रोश उपजा और इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंपनी पड़ी। बंगाल अपनी गिरती हुई कानून एवं व्यवस्था के लिए पहले ही कुख्यात है। चिंताजनक यह है कि बंगाल के शिक्षण संस्थानों में भी दुष्कर्म की घटनाएं घट रही हैं। आरजी कर मेडिकल कालेज की घटना के बाद ला कालेज की एक छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया था और फिर इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट के परिसर में भी।इन घटनाओं से बंगाल में महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होना स्वाभाविक हैं। विडंबना यह है कि जब मुख्यमंत्री को इन घटनाओं पर कठोर रवैये का परिचय देना चाहिए, तब वे अगंभीरता दिखा रही हैं। यदि वे कमजोर होती कानून एवं व्यवस्था पर लीपापोती दिखाएंगी तो इससे स्थितियां और खराब ही होंगी।इसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि ममता मुख्यमंत्री होने के साथ-साथ गृहमंत्री का भी दायित्व संभाले हुए हैं। इस नाते उन्हें और अधिक सजगता का परिचय देना चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक महिला होने के बाद भी वे महिलाओं के साथ होने वाले जघन्य अपराधों पर अपने पुरातनपंथी सोच का परिचय दे रही हैं। आज के युग में ऐसे सोच के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता।

उपनिवेशवाद की सोच भारतीयो को कुछ नया करने में बाधक

कांतिलाल मांडोत

आरएसएस भारतीय रास्ट्रवाद का स्वयंसेवक संगठन के विजयादशमी के दिन सौ वर्ष पूर्ण होने पर देश-विदेश में राष्ट्र को समर्पित अनेक कार्यक्रम हुए और अभी भी जारी है।कई उतार चढ़ाव से गुजरने के बाद अब आरएसएस वटवृक्ष बन गया है।भारत की ज्ञान परम्परा और शिक्षा पद्धति पर चिंतन होता रहा है।दुनिया मे शायद ही किसी संगठन की इतनी आलोचना की होगी,जितनी आरएसएस की हुई है।बिना आधार के आरएसएस पर लगाए सभी आरोप कपोल कल्पित और जूठे साबित हुए।दरअसल,अपने मन मे देश के प्रति जज्बा लिए ये युवा अपना सर्वस्व अर्पण कर देशसेवा के लिए हर जंग लड़ने के लिए हर समय तैयार रहते है।नीतिमत्ता और ईमानदारी का गुण जीवन की आधारशिला है।समाज को आगे लाने के लिए हर कदम पर सहयोग मिलने से भारत एक मजबूत राष्ट्र बनता जा रहा है।रास्ट्रीय स्वयंसेवक से सरसंघचालक मोहन भागवत की सक्रियता और समर्पण भाव को देखकर हर व्यक्ति दंग रह जाता है। भाजपा के राजनैतिक वर्चस्व के इस दौर में राष्ट्रवाद की भगवा सोच भी उसी तीव्र गति से बढ़ाया गया।आज भाजपा की मजबूत नींव पर आरएसएस के शुद्ध संकल्प और अच्छी सोच का ही कारण रहा है।संघ ने शिक्षा पद्धति में आमूल-चूल परिवर्तन करने और भगवा विचारों में रंगने की चाह के लिए रणनीति के साथ पहल हुई थी।संघ का योगदान देश की आजादी के समय 1947 में भी भरपूर रहा है।कश्मीर पर पाकिस्तान सेना की गतिविधियों पर संघ बराबार नजर रखे हुए था।1962 में संघ के स्वयंसेवक जिस तरह सीमा पर पहुँचे, उसे पूरे देश ने देखा।1963 में 26 जनवरी पर प्रधानमंत्री नेहरू ने स्वयंसेवक के कार्यकर्ताओं को परेड में शामिल होने का निमंत्रण दिया।ये देश के प्रति समर्पित है।1965 के भारत पाकिस्तान के युद्ध के समय लालबहादुर शास्त्री ने संघ को याद किया।स्वयंसेवको ने कानून व्यवस्था संभाली थीं।आरएसएस ने देशहित में अनेक ऐसे कार्य किये है।जिसका इतिहास बन चुका है।उपनिवेशवादी मानसिकता से मुक्त कराने के लिए शिक्षा से ही संभव है।और इस पर सरसंघचालक कही बार अपने मंच से बोलकर देश को अवगत कराते आ रहे है।शिक्षा के उद्देश्य, विषय वस्तु और व्यवस्था में भारतीयता होनी चाहिए।मोहन भागवत का सारा समय देश के लिए समर्पित है।देश मे आए दिन अनेक सभा और पथ संचलन के कार्यक्रम आयोजित कर युवाओ को प्रशिक्षित कर देशसेवा के प्रति समर्पण भाव के गुर सिखाए जा रहे है।संघ यह भी मानता है कि सत्ता से नही,बल्कि समाज के द्वारा ज्यादा प्रभावी होता है।वर्तमान में जो नवीन ज्ञान हमे मिल रहा है,उसे सीखे।जो सीखने योग्य है ,उसे अवश्य सीखे, किन्तु सीखने का उद्देश्य यही है कि हम अपने धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन मूल्यो को नष्ट करके की जरा भी भूल नहीं करे।यही शिक्षा उपादेय,सार्थक एवं गाह्य है,जिसके द्वारा सत्य,अहिंसा,अस्तेय,अपरिग्रह, इंद्रिय,निग्रह,त्याग,परोपकार, दया,करुणा आदि गुणों का विकास हमारे भीतर हो।यही धारणा और समर्पित जीवन का लक्ष्य लिए देश सेवा करते हुये आरएसएस के सौ वर्ष पूर्ण हो चुके है।स्वयंसेवक संघ में संवेदनशीलता,दया,करुणा,परदुःखकातरता सुषुप्त नही हुई है इनका मुख्य लक्ष्य व्यक्तिवाद और स्वार्थ साधना नही होकर केवल देश सेवा की रही है।रास्ट्रीय,सामाजिक,नैतिक अस्मिता की रक्षा के लिए शाश्वत जीवन मूल्यों के अभिरक्षक के प्रयास सतत कर रहे है।क्योंकि ये जानते है कि अनुसाशनहीनता और सद्गुणों की उपेक्षा से जीवन अपवित्र होता है।स्वयंसेवक सेदेश ,परिवार,समाज को कई अपेक्षाएं है ।मोहन भागवत मनोयोग से अध्ययन करने की सिख देते है।विद्यार्थियों में शिक्षा का स्तर बढ़ना चाहिए।संघ का दर्द उस समय झलका था।जब रोहित वेमुला प्रकरण,जेएनयू में कन्हैया प्रकरण,पश्चिमी बंगाल में जाधवपुर विवि की घटना और बिहार चुनाव से ठीक पहले असहिष्णुता के खिलाफ बुद्धिजीवियों की अवार्ड वापसी के झटकों ने भगवा ब्रिगेड को हिला दिया था।इनका यह भी मानना है कि मोदी के आने के बाद वामपंथियों को कमजोर कड़ी के तौर पर चुना,जहा उनका वर्चस्व है और एनजीओ वाले इनके साथ खड़े दिखते है।उसके बाद ही चुनिंदा रणनीतिकारों ने बौद्धिक आंदोलन का खाका तैयार किया।

मायावती की मेघा रैली में शक्ति प्रदर्शन से अखिलेश के उड़ गए होंश

लखनऊ में मायावती ने नौ साल बाद जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया ।पांच लाख की जनमेदनी ने समाजवादी पार्टी को सोचने के लिए मजबूर कर दिया ।हाथी की मस्त चाल से सियासत गरमा गई है ।उत्तरप्रदेश के साथ बिहार में हलचल तेज हो गई है ।उत्तरप्रदेश विधानसभा में मिली करारी शिकस्त के बाद करीब नौ साल के बाद यह पहली विशाल रैली निकालकर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की आवाज सुनकर कार्यकर्ता फुले नही समाए ।उत्तरप्रदेश में हार का कारण का पता लगाने की जगह मायावती ने अनर्गल बयान दिया।

> परंतु मायावती को आत्ममंथन की आवश्यकता थी ।मायावती की पार्टी बहुजन समाजवादी पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने विपक्षी पार्टियों पर आरोप लगा दिया था ।लखनऊ में पार्टी सम्मेलन में पांच लाख की जनमेदनी देखकर मायावती ने कहा कि इनको बुलाया नही गया है ।इतने लोग स्वयं चलकर अपनी मर्जी से पार्टी सम्मेलन का हिस्सा बने है। मायावती ने भाजपा और समाजवादी दोनो पर निशान साधते हुए बहुजन समाज एकता और राजनैतिक पुनरुत्थान का बिगुल फूंका ।मायावती हर समय अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाहती है।

कांतिलाल मांडोत

मायावती की साख में उनकी पार्टी के पतन के साथ ही कमी महसूस की गई है।मायावती और बसपा की रणनीति का हिस्सा रहा है।दलितों को अपनी मुट्ठी में समझने वाली मायावती ने अपनी पार्टी का सिम्बोल हाथी का स्टेच्यू लखनऊ आदि शहरों में लगवा दिया था।मायावती की उड़ान मन्द पड़ गई है।अब मायावती की झोली खाली है।दलितों को बराबरी का सपना दिखाने वाली मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पहुंचने वाली मायावती का मंसूबा प्रधानमंत्री बनने का था।मायावती का सपना तो पूरा नही हुआ,पर अब तक अपना अस्तित्व बचाने की चुनौती उसके सामने है। मायावती की हार का असली कारणों और मुद्दों को दरकिनार करके स्वर्ण और सतारूढ़ दल पर अनर्गल आरोप लगाकर राजनीति जमीन तैयार करना बसपा की रणनीति रही है।चार दशक पहले बहुजन समाजपार्टी जिन मुद्दों,नारो,रणनीति, सामाजिक समीकरण और सेना के सहारे संसदीय रणनीति में उतरी थी,आज भी उसी के सहारे खड़ी है।जबकि सच्चाई यह है कि चार दशक में देश और प्रदेश की राजनीति और समाज मे ढेर सारे परिवर्तन हो चुके है।लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, ओमप्रकाश चौटाला, मायावती आदि दर्जनभर नाम पीएम की पहली पंक्ति में थे।लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी के विकास को देखकर ये नेता प्रधानमंत्री बनने का विचार छोड़ दिया।इन नेताओं ने कहा कि मोदी सुपर है।इनके जैसा कार्य हमसे नही हो सकता है।मायावती के सपने मोदी के बाद झूलते नजर आए।दलित और अति पिछड़े समाज में भी अधिक और शैक्षणिक उन्नति हुई है।लेकिन मायावती ने अपनी रणनीति में कोई ठोस बदलाव नहीं किया है।जो बदलाव किए है उसे महज सत्ता पाने तक सीमित रखा।पार्टी और संगठन के आंतरिक ढांचे में उन परिवर्तनों का कोई असर नही पड़ा।आज भी मायावती के मन मे विकास की कोई धारणा नही है।विपक्ष पर निशान साधते हुए कांशीराम के बनाये स्मारकों के रखरखाव पर विपक्ष को घेरती नजर आई।सपा ने स्मारकों और पार्को की हालत खराब कर दी है।लेकिन भाजपा की तारीफ करते हुए कहा कि इनकी सरकार ने मरम्मत कराई ।उपस्थित कार्यकर्ताओ को नसीहत देते हुए कहा कि भाजपा,समाजवादी ,कांग्रेस सभी जातिवादी सोच की पार्टियां है और इनसे संभल कर रहने की चेतावनी दी।मायावती ने कहा कि ये दल संकीर्ण सोच वाले है।मायावती ने एकाधिकार बनाये रखने के लिए ढेर सारे नेताओ को पार्टी से बाहर कर दिया।कुछ खुद चले गए थे।डीएसफोर के जमाने मे नेताओ को बाहर का रास्ता बता दिया।विकास का कोई मुद्दा इनके मन में नही है।नेताओ के जाने के बाद बहुजन समाजवादी पार्टी को वैचारिक और सांगठनिक स्तर भारी कीमत चुकानी पड़ी थीं।जिसके बाद राजनीतिक चाल चलते हुए मायावती ने बहुजन के स्थान पर सर्वजन का नारा दिया।उस दौर में लोगो के पक्ष की बात करदेते थे तो मतदाता पार्टी से अनायास जुड़ जाते थे।

निरक्षर समाज और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले गरीब लोग दो कीलो चावल और दो लीटर केरोसिन पर वोट देने के लिए और पार्टी का प्रचार के लिए तैयार हो जाते थे।आज शिक्षित समाज किसी भी मुद्दे पर सौ बार विचार करता है।आज किसी को बेवकूफ बनाना टेडी खीर है।अब सर्वजन कौन कहे बहुजन भी मायावती से पीछा छुड़ाता दिख रहा है।2012 में मायावती को विपक्ष की भूमिका दी थी।पांच वर्ष तक मायावती विपक्ष की भूमिका निभाने के बजाय सत्ता के इंतजार में गंवा दिया।जबकि अखिलेश कुमार की सरकार में प्रदेश की जनता को दंगो की आग का सामना करना पड़ा।जबकि मायावती मौन साधे बैठी रही।इस बार मायावती का भाषण सुनने लोग सभा मे एकत्रित तो हुए है लेकिन आज भी विकास की कोई बात या दलित गरीबो के उत्थान का मापदंड मायावती के मन मे नही है।2012 में जनता ने विपक्ष की भूमिका निभाने लायक नहीं रखा। मायावती के हार के अनेक कारण है।लेकिन मायावती फूली नही समा रही है।मजूबत वोट बैंक के अभाव में दलित मतों में बिखराव और अपने आधार वोट को मजबूत करने के बजाय मायावती ने पुराने दांव ही अपनाए है।वर्तमान आईआईटी का जमाना है।मायावती को अपने विचार अपनी सोच और टेक्नोलॉजी पर गहन विचार कर मतदाताओ के दिल मे जगह बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

2007 में मायावती ने विधानसभा चुनाव के पहले बसपा ने अति पिछड़ा,दलित के साथ मुसलमान और ब्राह्मण वर्ग को अपने साथ जोड़ने के लिए सामाजिक भाईचारा कार्यक्रम शुरू किया।यह जवाबदारी सतीश चंद्र मिश्र और नसीमुद्दीन को सौंपी गई।जिसके मद्देनजर एक मजबूत आधार तैयार हुआ। सूबे की राजनीति से माफिया उन्मूलन और कानून का राज स्थापित करने का वादा किया।जिसका फायदा उस समय चुनाव में मिला।और मायावती पूर्ण बहुमत से मुख्यमंत्री बनी।लेकिन 2017 में अपने मुद्दों और मजबूत आधार नही दे पाई।90के दशक में मुलायमसिंह यादव और बहुजन पार्टी का यूपी की राजनीति में वर्चस्व स्थापित होना शुरू हो गया था।मायावती बहनजी के पार्टी की साख पूरे भारत मे थी।मायावती की पार्टी अन्य राज्यो में भी चुनाव लड़ती थी।लेकिन धीरे धीरे जातीय संगठन को चुनाव तक ही सीमित रखा और पार्टी की बढ़ती साख पर ग्रहण लगने लगा।नेताओ को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नही दी जाती थी।शुरुआती दौर में सवर्णो के इतर दलित और पिछड़े वर्ग के काडरों के संगठन को महत्वपूर्ण पद पर रखा।अति पिछड़ा वर्ग के ढेर सारे नेता पार्टी का चेहरा हुआ करते थे।लेकिन मायावती की निरंकुश जीवनशैली और पार्टी के एकाधिकार के कारण अधिकांश दलित और पिछड़े नेताओ को बेइज्जत करके पार्टी से बाहर का रास्ता बता दिया।तब सम्पूर्ण दलित और पिछड़ों के बजाय बसपा दलितों की सिर्फ पार्टी मानी जाने लगी थी।चुनाव के पूर्व स्वामी प्रसाद मौर्य ,ब्रजेश पाठक और आरके चौधरी और पार्टी के कई छोटे बड़े नेताओ ने पार्टी को अलविदा कह दिया।बसपा छोड़ने वाले नेता भाजपा में शामिल हो गए।जिस दल में किसी के अधिकारी को छीना जाता है।पार्टी में उनकीनही सुनी जाती है,तब यही हश्र होता है।इससे जहां भाजपा मजबूत हुई,वही बसपा में दूसरी पंक्ति के नेताओ का अभाव हो गया।मायावती को एक भरोसा था कि दलित और पिछड़ा उनके साथ है।यूपी में 40 से ज्यादा दलित मुस्लिम वोटर है।लेकिन कांग्रेस की तरह इन जातियों के साथ भी बसपा ने वो ही व्यवहार किया।मुसलमानों को अधिक टिकट और चुनाव के वक्त कुख्यात माफिया मुख्तार अंसारी को पार्टी में शामिल कर दलित मुस्लिम गठजोड़ का संदेश दिया।मायावती मीडिया से दूरी बनाकर चलती है।सत्ता में रहते हुए मीडिया को तवज्जो नही दी।मायावती की माया वो ही जाने,लेकिन लखनऊ की राजगद्दी मायावती के लिए बहुत दूर है।क्योंकि योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री के तौर विकास की गंगा बहा दी गई है।जिसकी रोशनी में विपक्ष की आंखे चरमराई हुई है।उत्तरप्रदेश देश मे आर्थिक मजबूती में दूसरे नम्बर पर है।चारो तरफ विकास की होड़ लगी हुई है।लेकिन मायावती की सोच उसी पर टिकी हुई है कि ईवीएम धांधली से हमे हराया गया। मायावती को अभी तक ईवीएम मशीने ही दृष्टिगोचर हो रही है।लेकिन उनकी भूल तक स्वीकार नही है ।मायावती को राजनीति की दहलीज तक जाने के लिए फिर से भारी मेहनत करनी होगी।क्योंकि उत्तरप्रदेश अब उत्तमपुरुष के हाथों उत्तम प्रदेश बन चुका है।

या ट्रंप नोबेल में मात के बाद भी शांति दूत बने रहेंगे?

बड़बोले डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने वाले ट्रंप हाथ मलते रह गए। शांति के नोबेल के लिए चंद देशों से खुद को नामित कराने वाले अड़ीबाज अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रप के मुकाबले बेहद कम चर्चित और दुनिया में अलग पहचान रखने वाली एक महिला को मिलना शायद ट्रंप को उनकी असलियत या औकात बताने को काफी है। वैसे भी हर पुरस्कार के लिए नियम होते हैं, लंबी फेहरिस्त होती है और कारण होते हैं।

ऋतुपर्ण दवे

ट्रंप कहीं से भी इसमें फिट नहीं बैठते थे। लेकिन उन्हें अमेरिका का राष्ट्रपति होने का गुमान था। इसीलिए वो यह जानते हुए भी कि पुरस्कार के लिए नामित होने और औपचारिकताओं के पूरा करने की प्रक्रिया को भी शायद अपनी धौंस से धता बताने की जुगाड़ में थे, जो हो न सका। यह भी सच है कि शायद यह पहला मौका होगा जब पुरस्कार मिलने वाले के नाम की चर्चा के बजाए न मिलने वाले का नाम और उसका रंज सुर्खियों में है।

अब ट्रंप भले ही लगातार अपना दावा जता रहे हों और कहते फिर रहे हों कि कि अमेरिका में जिन भी लोगों को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, वो ज्यादातर विवादित ही रहे। ट्रंप भला क्या कम विवादित हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति बनाम वहां के बड़े बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप इस बार सत्ता में आने के साथ ही खुद को शांति का स्वयं-भू मसीहा बताते नहीं अघाते हैं। वो भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास जंग समेत आठ युद्धविराम या समझौते कराने का दावा करते हैं। जबकि दुनिया हकीकत जानती है कि इन सभी जगहों पर अभी कितनी शांति है?

इस बार का नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वेनियन नोबेल कमेटी ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को देना तय किया। नोबेल समिति के अध्यक्ष यॉर्गन वाटने फ्रिडनेस ने मारिया कोरिना मचाडो को एक ऐसी प्रमुख और एकजुट करने वाली शख्सियत बताया जिन्होंने पहले गहरे विभाजित विपक्ष को एकजुट किया फिर स्वतंत्र चुनावों और प्रतिनिधि सरकार की मांग में समान आधार स्थापित करने का कठिन काम किया। अपने प्रयासों की कामियाबी के लिए मारिया कोरिना मचाडो को छिपकर रहने पर भी मजबूर होना पड़ा। लेकिन जान को गंभीर खतरों के बावजूद उन्होंने अपना देश नहीं छोड़ा और दुनिया भर में शांति के पक्षधर लाखों लोगों का प्रेरित किया। मारिया का मानना है कि जब सत्तावादी लोग सत्ता हथिया लेते हैं, तो स्वतंत्रता के ऐसे साहसी रक्षकों को पहचानना जरूरी है जो उठ खड़े हों और विरोध करें। लोकतंत्र उन्हीं लोगों पर निर्भर करता है जो चुप रहने के बजाए गंभीर जोखिमों के बावजूद आगे बढ़ते रहने का दुस्साहस करते हैं। यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता को कभी भी हल्के में नहीं

लेना चाहिए, बल्कि हमेशा उसकी रक्षा करनी चाहिए। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और शब्दों के सामर्थ्य का इस्तेमाल जरूरी है। ट्रम्प भले ही दुनिया का दारोगा कहलाएं लेकिन उन्हें मारिया के सिध्दांतों और धारणाओं से काफी कुछ सीखने की जरूरत है।

यह सही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में तो शुरुआत से ही शांति के नोबेल पुरस्कार का सपना संजोए बैठे थे। उनका हर मंच पर दावा कि उन्होंने ही आठ युद्ध रुकवाए हैं यही बताता है। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की आलोचना करना और कहना कि बिना किसी कारण के उन्हें नोबेल मिला मैंने तो 8-8 युद्ध रुकवाए अहंकार नहीं तो क्या है? लेकिन वो भूल गए कि उनके दावे नोबेल शांति पुरस्कार के नामांकन की समय-सीमा के बाद के हैं। ऐसे में संभव है कि यह उनकी चालाकी हो और अगले साल के अपने दावे को पुख्ता करने की रणनीति हो! दुनिया जानती है कि ट्रम्प कहते कुछ हैं, करते कुछ हैं। कहा तो यह तक जाने लगा है कि ट्रंप को यह भी नहीं पता अगले पल वो क्या कर बैठें, बहरहाल यह उनका अपना मामला है वो जाने। हां, नोबेल कमेटी की निना ग्रेगर ने यह जरूर कहा कि नोबेल के फैसले पर गाजा सीजफायर का असर नहीं होगा, लेकिन अगर यह शांति स्थायी रही, तो अगले साल ट्रंप की दावेदारी मजबूत हो सकती है। वहीं, नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोएर्गन वाटने फ्राइडनेस ने कहा कि पुरस्कार पर फैसला काम के आधार पर किया जाता है। अब ऐसा भी नहीं है कि अमेरिका जैसे देश सशक्त देश के राष्ट्रपति को इतना भी भान न हो? अब एक पुराना और चौंकाने वाला वाकया सुर्खियों में है। जब एडॉल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने की कोशिश हुई। इससे हर कोई असहज हुआ होगा। उनके क्रूर होने के किस्से-कहानियां इतिहास की किताबों में दर्ज है। क्या उनका नाम कभी प्रस्तावित हुआ? दरअसल एक तीखी व्यंग्यात्मक आलोचना के रूप में जरूर उनका प्रस्ताव स्वीडिश संसद के एक सदस्य, एरिक ब्रांट ने 27 जनवरी 1939 को नोबेल समिति को भेजा। ब्रांट एक समाजिक-लोकतांत्रिक राजनेता थे। यह उनका स्वीडिश राजनीतिज्ञों की प्रवृत्ति पर कटाक्ष और व्यंग था जो तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविल चेम्बरलेन की शांति-नीति की तारीफ करते नहीं अघाते थे। जब चेम्बरलेन की शांति के लिए खूब स्तुति हो सकती है, तो हिटलर को भी यूरोप में युद्ध के खतरों लिए नामांकित कर दीजिए। लेकिन सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं, आलोचनाओं और गलतफहमियों से घिरता देख ब्रांट ने अपना नामांकन औपचारिक रूप से वापस भी ले लिया।नोबेल पुरस्कार की स्थापना बिजनेसमैन, एंटरप्रेन्योआर और वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु के बाद हुई जिन्होंने अपनी ज्यादातर संपत्ति कई क्षेत्रों में पुरस्कारों के लिए छोड़ी थी। सन् 1895 में अपनी वसीयत में कहा था कि ऐसे पुरस्कार उन्हें दिया जाना चाहिए जिन्होंने पिछले साल मानव जाति के लिए सबसे बड़ा उपकार किया हो। शुरुआत 1901 में हुई जो जारी है। केवल प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1914 से 1918 तक और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1939 से 1945 में यह नहीं दिए गए।

पुरस्कार भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा या शरीर क्रिया विज्ञान, साहित्य, शांति और आर्थिक विज्ञान क्षेत्र में दिए जाते हैं। शांति पुरस्कार ऐसा अकेला है जिसका फैसला नॉर्वे की संसद की तरफ से चुने गए पांच सदस्यों की एक समिति की करती है। समिति ओस्लो में है पुरुस्कार वहीं देते हैं। इसमें एक डिप्लोमा, सोने का मेडल और 11 मिलियन स्वीडिश मुद्रा (10.36 करोड़ रुपये) दी जाती है। नियमानुसार पुरस्कार देने और न देने की वजह अगले 50 साल तक नहीं बताई जाती है। काश ट्रंप इतना इंतजार कर पाते? फिलहाल यह देखना होगा कि तिलमिलाए ट्रंप आगे भी शांति दूत बने रहेंगे या दुनिया की शांति हरेंगे, क्योंकि उनकी खीझ, खिसियाहट, टैरिफ वार और बॉडी लैंग्वेज कुछ और ही इशारा कर रही है?

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की

सभी निकायों में दीपावली के पूर्व वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने दीपावली के पहले सभी नगरीय निकायों में कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्रालय, संचालनालय और सूडा की टीम को बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करते हुए लेट-लतीफी से बचने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ धरातल पर नजर आने चाहिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संयुक्त सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव भी समीक्षा बैठक में शामिल हुईं। उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय निकायों में विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने गोधाम योजना के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हरित आवरण बढ़ाने हेतु एक समग्र कार्ययोजना तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने इसके लिए राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत राशि आबंटित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी भी नियुक्त करने को कहा।

समीक्षा बैठक में नगरीय निकायों के लंबित विद्युत देयकों की समीक्षा की गई। साव ने एनर्जी बिल ऑडिट की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए प्राप्त सुझावों के त्वरित क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने सरचार्ज एवं अतिरिक्त भार से होने वाले आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए निकायों के सीएमओ, लेखापाल व अभियंताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए। श्री साव ने बैठक में नवगठित नगरीय निकायों को आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के लिए अधोसंरचना मद, चुंगी कर अथवा अन्य स्रोतों से राशि स्वीकृत कर कार्य कराने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने नवीन निकायों को शीघ्र आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने नालंदा परिसरों, अटल परिसरों तथा बजट में शामिल अन्य योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों को सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा भरपूर राशि प्रदान की जा रही है, अतः सभी अधिकारी योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को इनका शीघ्र लाभ मिल सके। बैठक में नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति, रिक्त पदों पर भर्ती, वर्गीकरण तथा सेट-अप रिवीजन पर भी विस्तृत चर्चा हुई। उप अभियंताओं की भर्ती हेतु वित्त विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। श्री साव ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत 21 नगरीय निकायों की जलप्रदाय योजनाओं एवं एसटीपी निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीपीआर एवं आरएफपी कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा। उन्होंने मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत चल रहे कार्यों की निकायवार समीक्षा कर जिला कलेक्टरों के माध्यम से निर्माण में आ रही बाधाएं दूर कर कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

उप मुख्यमंत्री ने नगरीय निकायों की चल-अचल संपत्ति, मशीनरी, वाहनों आदि की ऑडिट कर अद्यतन स्थिति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यावसायिक परिसरों एवं दुकानों के नियमानुसार सुचारू संचालन के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने मुक्तिधामों को समुचित सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए शवदाह हेतु शेड, प्रतीक्षालय, पेयजल, गार्ड कक्ष, बाउंड्रीवाल आदि निर्माण के लिए सूडा की राज्य प्रवर्तित योजना से राशि आबंटित करने के निर्देश दिए। राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के सीईओ शशांक पाण्डेय, अतिरिक्त सीईओ दुष्यंत कुमार रायस्त, उप सचिव डॉ. ऋतु वर्मा, अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य और मुख्य अभियंता राजेश शर्मा भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर ग्राम नेवता में आयोजित हुआ बैठक

पंचायती राज मंत्रालय के संचालक ने ग्रामीणों से की

कोंडागांव। पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के संचालक श्री रमित मौर्य ने शनिवार को ग्राम पंचायत नेवता में ग्रामीणों और ग्राम सभा सदस्यों के साथ पेसा के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर उनके साथ मंत्रालय के पेसा सलाहकार श्री प्रखर जैन भी उपस्थित रहे।

बैठक में ग्राम सभा की अध्यक्ष श्रीमती बासन नेताम ने ग्राम सभा की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। वहीं समितियों के सदस्यों ने वन प्रबंधन, जल प्रबंधन, खनिज प्रबंधन, हाट-बाजार संचालन, करारोपण, आदिवासी लोक परंपरा, खेल संस्कृति एवं ग्राम सभा की कोरम पूर्ति जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया।ग्राम पंचायत नेवता की सरपंच श्रीमती रेवती मौर्य ने भी पंचायत के कार्यों की जानकारी दी। संचालक श्री रमित मौर्य ने ग्राम सभा सदस्यों से GPDP और आदि कर्मयोगी अभियान के तहत तैयार की गई योजनाओं की समीक्षा की तथा ग्राम स्तर पर पेसा कानून के सफल क्रियान्वयन हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर जिला जेल सुकमा में हुआ विविध आयोजन

सुकमा, एजेंसी। जिला जेल सुकमा में दिनांक 03 अक्टूबर से 10अक्टूबर 2025 तक जेल विभाग द्वारा आयोजित किये जाने वाले छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव 2025-2026 के उपलक्ष्य मे जिला जेल सुकमा में 03 अक्टूबर से 08 अक्टूबर 2025 तक जेल के अधिकारी, कर्मचारियों एवं परिरूद्ध बंदियों के द्वारा प्रतिदिन प्रातः योग करे निरोग रहे के तहत सामुहिक योगा किया गया। 09 अक्टूबर 2025 को बंदियों हेतु संगोष्ठी एवं खेलकुद का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत सुबह श्रीमान सहायक जेल अधीक्षक एवं समस्त जेल कर्मचारियों द्वारा जेल परिसर में साफ-सफाई किया गया ।

दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को जिला चिकित्सालय सुकमा के डॉ. श्री रविकुमार जागड़े एवं उनके चिकित्सकीय स्टॉफ के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें श्रीमान राजेश कुमार बिसेन, सहायक जेल अधीक्षक, श्री टिकेश्वर सिंह ध्रुव, मुख्य प्रहरी, श्री फग्गुराम ध्रुव, श्री सन्तोष कुमार साहु, श्री गन्नुराम दुग्गा, श्री गौकरण सिंह कंवर, श्री कुलेश्वर कुमार ठाकुर, श्री सतवन कुमार मण्डावी एवं श्री रमेश कुमार नेताम, प्रहरी द्वारा रक्तदान किया गया। 10 अक्टूबर 2025 को जिला चिकित्सालय सुकमा के मानसिक सामजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता श्रीमती रीना नायडू नित्या देवांगन, रचना मरकाम एवं श्री योगेश सिन्हा द्वारा बंदियों को मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्री राजेश कुमार बिसेन, सहायक जेल अधीक्षक, श्री टिकेश्वर सिंह ध्रुव, श्री रमेश कुमार नेताम, मुख्य प्रहरी, श्री फग्गुराम ध्रुव, श्री धर्मेन्द्र कुमार नाग, श्री सन्तोष कुमार साहु, श्री यगेश कुमार चौबे, श्री नेहरूराम डहरिया, प्रहरी एवं जेल कर्मचारी उपस्थित थे।

विकास की सौगात : वनमंत्री केदार कश्यप ने चमिया में 48 लाख से अधिक के कार्यों का किया भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य विभाग मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज बस्तर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चमिया में आयोजित कार्यक्रम में 48 लाख से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। यह भूमिपूजन कार्यक्रम ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री कश्यप ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सुशासन की सरकार में मातृशक्ति को विशेष सम्मान मिला है, और अब हर गाँव में विकास की नई पहचान बनेगी। इन महत्वपूर्ण विकास कार्यों के तहत, ग्राम पंचायत चमिया में 30 लाख रुपए की लागत से बहुप्रतीक्षित महतारी सदन का निर्माण किया जाएगा, जो महिला सशक्तिकरण का केंद्र बनेगा। इसके अलावा, ग्राम बड़े अलनार में 6.10 लाख से पुलिया निर्माण और छोटे अलनार में 12.40 लाख की लागत से उचित मूल्य की दुकान भवन का निर्माण किया जाएगा।

महतारी सदन बनेगा सशक्तिकरण का केंद्र: भूमिपूजन के अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए वनमंत्री श्री कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग और हर गाँव तक पहुँचे। उन्होंने महतारी सदन के निर्माण को राज्य सरकार की सोच का प्रतीक बताया, जहाँ महिलाएँ स्व-सहायता समूहों के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी, उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन होगा।

वनमंत्री ने स्पष्ट किया कि, महतारी सदन केवल एक भवन नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और नेतृत्व सशक्तिकरण का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि ग्रामीण अंचलों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो और नारायणपुर क्षेत्र में विकास की रफ़्तार अब और तेज़ होगी। उन्होंने ग्रामीणों से इन कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की भी अपील की।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री निर्देश दिवान तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण उपस्थित थे।

वनमंत्री ने 48 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

हर गांव में दिखेगा विकास का नया रूप : मंत्री केदार कश्यप

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने दीपावली के पहले सभी नगरीय निकायों में कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्रालय, संचालनालय और सूडा की टीम को बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करते हुए लेट-लतीफी से बचने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ धरातल पर नजर आने चाहिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संयुक्त सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव भी समीक्षा बैठक में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय निकायों में विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने गोधाम योजना के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हरित आवरण बढ़ाने हेतु एक समग्र कार्ययोजना तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने इसके लिए राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत राशि आबंटित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी भी नियुक्त करने को कहा। समीक्षा बैठक में नगरीय निकायों के लंबित विद्युत देयकों की समीक्षा की गई।

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल मुरतोंडा में 'रन फॉर डीएवी' का आयोजन

सत्य, अहिंसा और राष्ट्रसेवा का दिया गया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सुकमा (निप्र)। डीएवी पब्लिक स्कूल मुरतोंडा में रविवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर 'रन फॉर डीएवी' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य इन महान नेताओं के सत्य, सादगी, अहिंसा और राष्ट्रसेवा के सिद्धांतों को विद्यार्थियों तक पहुंचाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ डिप्टी कलेक्टर रविशंकर मिश्रा और प्रधानाचार्य अनिरुद्ध मिश्रा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होंने अपने प्रेरक संबोधन में छात्रों से अनुशासन, दृढ़ता और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांधी और शास्त्री जी के आदर्श आज भी समाज को दिशा देने में प्रासंगिक हैं।

विद्यालय परिसर से शुरू हुई यह दौड़ निकटवर्ती प्रमुख क्षेत्रों से होते हुए लगभग दो किलोमीटर तक संपन्न हुई, जिसमें विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ के दौरान सत्य, अहिंसा और एकता के संदेश से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा।

कार्यक्रम की सफलता पर प्रधानाचार्य श्री अनिरुद्ध मिश्रा ने पूरी आयोजन टीम की सराहना करते हुए कहा कि, रन फॉर डीएवी केवल एक फिटनेस कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हमारे राष्ट्रनिर्माताओं के उच्च आदर्शों को आत्मसात करने की एक प्रेरणादायी पहल है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे गांधीजी और शास्त्रीजी के सिद्धांतों को अपने व्यवहार और चरित्र में उतारें। इसी प्रकार सुकमा जिले में स्थित डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल रोकेल और कोंटा केद्वारा भी रन फॉर डीएवी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूली छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। 'रन फॉर डीएवी' के माध्यम से विद्यालय ने न केवल फिटनेस और एकता का संदेश दिया, बल्कि आने वाली पीढ़ी को सत्य, सादगी और राष्ट्रप्रेम की दिशा में प्रेरित करने का एक सुंदर उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

रोमांच, अनुशासन और ऊर्जा का संगम

डीएवी राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का भव्य समापन

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर (निप्र)। डीएवी संस्था द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम जगदलपुर में रंगारंग समापन रविवार को हुआ। इस महाआयोजन ने राज्यभर के युवा खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा, अनुशासन और जोश का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी रहे, जिन्होंने औपचारिक रूप से खेल ध्वज उतारकर प्रतियोगिता के समापन की घोषणा की। अपने प्रेरक उद्बोधन में श्री सुन्दरराज पी ने खेलों के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा, खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो विद्यार्थियों में

अनुशासन, टीमवर्क और आत्मविश्वास का विकास करते हैं। यह केवल जीत या हार के बारे में नहीं है, बल्कि जीवन के लिए महत्वपूर्ण मूल्यों को आत्मसात करने के बारे में है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उनकी खेल भावना के लिए बधाई दी।

इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में राज्य के 6 क्लस्टरों के अंतर्गत आने वाले 73 डीएवी विद्यालयों से कुल 1023 खिलाड़ियों और 200 प्रशिक्षकों ने भाग लिया। इस दौरान फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेनिस और कुश्ती जैसे विभिन्न खेलों का आयोजन हुआ, जिनमें खिलाड़ियों ने ज़बरदस्त ऊर्जा और खेल कौशल का परिचय दिया। समापन दिवस का मुख्य आकर्षण रोमांचक रिले रेस रही, जिसमें तेज़ गति और तालमेल के अद्भुत प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और स्टेडियम तालियों से गूँज उठा। पूरे आयोजन के दौरान दुर्ग क्लस्टर ने अपना दबदबा बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक मेडल अपने नाम किए।

समापन के अवसर पर भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी सुमित कुमार, रीजनल ऑफिसर प्रशांत, प्राचार्य शैलेश कुमार तथा विभिन्न डीएवी विद्यालयों के प्रभारी प्राचार्यगण और शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन देशभक्ति गीत और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता टीमों के सम्मान के साथ हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय योग कार्यशाला का रायपुर में भव्य आयोजन

देश-विदेश के प्रसिद्ध योग विशेषज्ञ देंगे मार्गदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर में दावड़ा विश्वविद्यालय, नया रायपुर एवं छत्तीसगढ़ योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय योग कार्यशाला का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 13 अक्टूबर (सोमवार) को प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक कन्वेंशन हॉल, न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइन, रायपुर में संपन्न होगा। इस कार्यशाला में देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त योग विशेषज्ञ अपने अनुभवों, शोध कार्यों और योग के वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रतिभागियों को मार्गदर्शन देंगे।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में अरविन्द साहू (इंटरनेशनल स्पीकर, यूके), प्रो. भगवन्त सिंह (से.नि. आचार्य एवं अध्यक्ष, दर्शन एवं योग विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर), प्रो. मृत्युंजय राठौर (विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान, एम्स रायपुर), अमित यादव (सहायक आचार्य, ग्वालियर यूनिवर्सिटी), सविता दीदी (प्रमुख, ब्रह्माकुमारी संस्थान रायपुर) एवं तेजस्वी शर्मा (इंटरनेशनल योगा चौंपियन एवं एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट) शामिल होंगी। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए योगा किट, प्रमाणपत्र एवं भोजन व्यवस्था की सुविधा रहेगी।

प्रोजेक्ट मंथन ने मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर बच्चों और स्टाफ को दी संवेदनशीलता की सौगात

जिला प्रशासन और यूनिसेफ़ की पहल से बाल कल्याण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य को मिली प्राथमिकता

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर (निप्र)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर बस्तर जिला प्रशासन ने यूनिसेफ़ के सहयोग से संचालित प्रोजेक्ट मंथन के तहत विभिन्न बाल देखभाल संस्थानों और आदिवासी छात्रावासों में मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित संवेदनशीलता कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना और संस्थानों के स्टाफ के बीच मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना रहा। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित बाल देखभाल संस्थानों, आदिवासी विकास विभाग के छात्रावासों, बाल संप्रेक्षण गृह और ओपन शेल्टर होम (बालक) जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया। इन सत्रों में न केवल बच्चों ने बल्कि काउंसलर और सुपरिंटेंडेंट्स जैसे स्टाफ ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया, जो मानसिक स्वास्थ्य को संस्थागत स्तर पर प्राथमिकता देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कार्यक्रमों में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर वीडियो स्क्रीनिंग, मनो-सामाजिक समूह गतिविधियाँ और विस्तृत संवाद सत्र आयोजित किए गए। इन गतिविधियों का मुख्य फोकस एक ऐसा सहायक वातावरण बनाना था जहाँ बच्चे बिना किसी झिझक के अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त कर सकें। स्टाफ संवेदनशीलता सत्रों का विशेष आयोजन बाल संप्रेक्षण गृह और ओपन शेल्टर होम में किया गया, जिसका लक्ष्य इन महत्वपूर्ण

संस्थानों के कर्मियों को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकताओं को समझने और उचित समर्थन प्रदान करने के लिए सशक्त बनाना था।

बाल देखभाल संस्थानों में कार्यरत कर्मियों और बच्चों से जुड़े हितधारकों की क्षमता वृद्धि करने तथा मानसिक स्वास्थ्य को संस्थागत स्तर पर प्राथमिकता देने की एक अनूठी पहल प्रोजेक्ट मंथन है, जो जिला प्रशासन के सहयोग से यूनिसेफ़ द्वारा संचालित है। कार्यक्रमों को बाल कल्याण समिति और किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों का महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ। इन सभी कार्यक्रमों का सफल संचालन प्रोजेक्ट मंथन की जिला सलाहकार (मानसिक स्वास्थ्य एवं बाल संरक्षण), श्रीया वैद्य द्वारा किया गया।

शिक्षित युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

सुकमा। व्यापम ने जल संसाधन विभाग के बारहवीं उत्तीर्ण अभ्यर्थियों से अमीन पद के लिए 17 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया है। अमीन का कार्य राजस्व विभाग के पटवारी जैसे कार्य होता है जो जल संसाधन विभाग के नाप जोख आदि का विवरण तैयार करते हैं। व्यापम ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बिलासपुर में अनुवादक के लिए 21 अक्टूबर और रसायन के साथ बीएससी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के केमिस्ट पद के लिए 22 अक्टूबर तक की शाम 5 बजे तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया है।

छतरपुर में किसान पर दबंगों का हमला

युवक को मरा समझ कर भागे बदमाश, खेत जाते समय लाठी-डंडों से पीटा

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के गठौरा गांव में रविवार शाम खेत पर जा रहे एक किसान के साथ चार लोगों ने मारपीट की। आरोपियों ने शराब के नशे में लाठी-डंडों और पत्थरों से किसान को पीटा और उसकी बाइक तोड़ दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल किसान को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

युवक को मरा समझ भाग गए बदमाश: जानकारी के अनुसार, गठौरा गांव निवासी 24 वर्षीय मोनू कुशवाहा रविवार देर रात अपने खेत की रखवाली के लिए जा रहा था। तभी गांव के ही संतोष, सोनू, शिवांश और चाहत सिंह ने उसे रोका और चारों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। उन्होंने मोनू को लाठी-डंडों, जूतों और पत्थरों से बुरी तरह पीटा और उसकी पल्सर बाइक भी तोड़ दी। पुलिस को आशंका है कि आरोपी मोनू को मरा हुआ समझकर मौके से फरार हो गए। सिविल लाइन थाना पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

गांव वालों ने अवैध शराब बेचने का आरोप लगाया: गांव के लोगों ने बताया कि आरोपी अवैध तरीके से शराब बेचने का काम करते हैं। वे अक्सर गांव में दहशत फैलाने के लिए लोगों के साथ मारपीट करते रहते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ये आपराधिक प्रवृत्ति के लोग हैं और पुलिस से इनकी सांठगांठ रहती है, जिस कारण उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप : मोनू के बड़े भाई हरि कुशवाहा ने बताया कि आरोपियों ने पहले भी उनके साथ मारपीट की थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। मोनू के पिता मोनी कुशवाहा ने बताया कि जब उनका बेटा खेत पर जा रहा था, तब उन्होंने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी नहीं माने और उसे मरा हुआ समझकर भाग गए।

पुलिस ने जांच शुरू की : सिविल लाइन थाना प्रभारी अरुण कुमार सोनी ने बताया कि आरोपियों और पीड़ित के बीच कोई पुराना विवाद था। इसी विवाद के चलते चार लोगों ने एक व्यक्ति के साथ मारपीट की है। उन्होंने पुष्टि की कि थाने में शिकायत दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बगैर लाइसेंस के नहीं लगेंगी पटाखे की दुकानें

उमरावगंज, एजेंसी। दीपावली नजदीक आते ही तैयारियां तेज हो गई हैं। लोग घरों की सफाई में जुटे हैं। पटाखा व्यापारी भी दुकान लगाने की तैयारी कर रहे हैं। हर साल राजीव गांधी स्टेडियम में पटाखों की दुकानें लगती थीं। इस बार स्थानीय लोगों के विरोध के कारण थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह तोमर ने सभी व्यापारियों को कस्बे के बाहर दुकान लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। थाना प्रभारी ने साफ कहा कि जिन व्यापारियों के पास लाइसेंस नहीं है, वे समय रहते लाइसेंस बनवा लें। बिना लाइसेंस कोई भी पटाखों की दुकान नहीं लगा सकेगा। हर दुकानदार के पास आग बुझाने के साधन होना जरूरी है। पुलिस द्वारा जांच की जाएगी।

सीहोर मंडी में सोयाबीन की आवक बढ़ी

दीपावली से पहले रिकॉर्ड नीलामी, सोयाबीन अधिकतम 4391 रुपए और न्यूनतम 1300 रुपए प्रति क्विंटल बिक रहा

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में दीपावली के त्योहार से पहले कृषि उपज मंडी समिति सीहोर में सोयाबीन की आवक में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है। सोमवार सुबह से ही बड़ी संख्या में किसान अपनी सोयाबीन की फसल ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरकर मंडी ले आए। मंडी परिसर में चारों ओर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का जमावड़ा नजर आया।

सोयाबीन की रिकॉर्ड आवक: मंडी में आज सोयाबीन की रिकॉर्ड आवक हुई। सोयाबीन का अधिकतम मूल्य 4391 रुपए प्रति क्विंटल और न्यूनतम 1300 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया। सबसे ज्यादा पीली सोयाबीन की आवक रही, जिसमें पांच घंटे में 7441 क्विंटल सोयाबीन की नीलामी हुई। अन्य फसलों में लहसुन 7503 रुपए प्रति क्विंटल, धनिया 6930 रुपए, मसूर 5866 रुपए, सरसों 6000 रुपए, तुअर 5200 रुपए और चना सफेद 5466 रुपए प्रति क्विंटल तक बिका।

मंडी अधिकारियों ने बताया कि दीपावली के कारण कई किसान अपनी उपज जल्दी बेचना चाहते हैं, इसलिए आवक लगातार बढ़ रही है। सुबह से ही बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मंडी में दिखाई दे रही हैं। हालांकि इस मानसून में पिछले साल की तुलना में बारिश कम हुई, फिर भी सोयाबीन की रिकॉर्ड आवक यह बताती है कि पैदावार अच्छी रही है।

रतलाम में अवैध ढाबों पर चली जेसीबी

सुबह 4 बजे पुलिस फोर्स के साथ पहुंची टीम; 8 लेन के किनारे बना रखे थे ढाबे

रतलाम, एजेसी। रतलाम के नामली में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे व फोरलेन किनारे बने अवैध रूप से चल रहे दो ढाबों पर जिला व पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई की। सोमवार सुबह 4 बजे टीम पुलिस फोर्स के साथ ढाबों पर पहुंची और जेसीबी से ढाबे ढहा दिए। पुलिस को इन ढाबों पर अवैध गतिविधियों की लगातार सूचना मिल रही थी।

पुलिस ने नामली के आगे दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस के टोल नाके के किनारे बने दो ढाबों के अलावा बड़ौदा गांव फंटे पर स्थित पुलिस चौकी के पास स्थित दो गुमटियों पर यह कार्रवाई की गई।

जिले के अलग-अलग थाना प्रभारी समेत पुलिस फोर्स पहुंची: वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सुबह 4 बजे एएसपी राकेश खाखा, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, जिले के अलग-अलग थाना प्रभारी समेत पुलिस फोर्स अवैध ढाबों को हटाने पहुंची। अचानक से हुई कार्रवाई से ढाबों चलाने वालों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई सुबह 8 बजे तक जारी रही। अभी मौके पर पुलिस फोर्स मौजूद है।

कलेक्टर के आने के बाद पहली बड़ी कार्रवाई: बताया जा रहा है कि एनएचएआई द्वारा 8 लेन से जुड़ी जमीन पर अवैध रूप से ढाबे चलाकर अवैध गतिविधियों की शिकायत जिला व पुलिस प्रशासन को की थी। इसी के बाद प्लान के मुताबिक यह कार्रवाई संयुक्त रूप से की गई। कलेक्टर मिशा सिंह के रतलाम में ज्वाइन करने के बाद यह पहली बड़ी कार्रवाई है जो कि अल सुबह से शुरू की गई। आज तक पहले कभी इतनी सुबह से कार्रवाई नहीं हुई।

कार में शराब की तस्करी करता तस्कर गिरफ्तार

दमोह से सागर खपाने लाई जा रही थी, गिरवर में घेराबंदी कर 20 पेटी पकड़ी

सागर,एजेंसी। सागर जिले की सानौधा थाना पुलिस ने अवैध शराब से भरी एक कार को जब्त किया है। कार में 20 पेटी शराब दमोह से सागर जिले में खपाने के लिए लाई जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी की तो ड्राइवर कार लेकर भागने लगा, जिसका पीछा कर उसे पकड़ा गया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका साथी फरार है। जब्त शराब और कार की कुल कीमत 4.19 लाख रुपए बताई जा रही है।

मुखबिर से मिली थी सूचना, गिरवर के पास की घेराबंदी: सानौधा थाना प्रभारी भरत सिंह ठाकुर ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद कार (एमपी 04 टीबी 1968) में बड़ी मात्रा में अवैध शराब लाई जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने गिरवर गांव के पास चेकिंग पॉइंट लगाया। जब कार आती दिखी तो पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन ड्राइवर कार को तेज रफ्तार में भगा ले गया।

पुलिस ने पीछा कर आरोपी को दबोचा: पुलिस टीम ने तुरंत कार का पीछा किया और कुछ ही दूरी पर घेराबंदी कर उसे रोक लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से 19 पेटी अंग्रेजी और 1 पेटी देशी शराब मिली, जिसकी कीमत करीब 1.19 लाख रुपए है। पुलिस ने कार ड्राइवर को हिरासत में ले लिया, जिसने अपना नाम दीपक गोस्वामी (27) निवासी सिदुंवा बताया।

पूछताछ में दूसरे साथी का नाम आया सामने: पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर शराब और कार जब्त कर ली है। पूछताछ में आरोपी ने अपने एक साथी ओंकार अहिरवार का नाम भी बताया है, जो इस तस्करी में शामिल था। पुलिस अब ओंकार की तलाश कर रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पहले गर्भ में बच्चे, फिर तीसरे दिन प्रसूता की मौत

जिला अस्पताल के स्टाफ पर लापरवाही का आरोप; पति बोला- डॉटर पर FIR हो

खंडवा, एजेंसी। खंडवा जिला अस्पताल में इलाज के दौरान एक गर्भवती महिला और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। मृतका आरती के पति अभिषेक ने दोषी डॉक्टरों के खिलाफ स्न्नद्धक्रकी मांग को लेकर कलेक्टर को आवेदन दिया है और पत्नी का पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया है। मृतका के पति अभिषेक ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी आरती को कमर दर्द की शिकायत पर 7 अक्टूबर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। अभिषेक के अनुसार, डॉक्टरों ने 12 घंटे में 4 इंजेक्शन लगाए और 9 अक्टूबर को यह कहते हुए छुट्टी दे दी कि अब वह ठीक है।

दोबारा भर्ती किया तो बच्चा मृत बताया, ऑपरेशन में 5 घंटे की देरी: 11 अक्टूबर को आरती की तबीयत फिर बिगड़ी तो उसे दोबारा अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि गर्भ में बच्चे की मौत हो चुकी है। अभिषेक का आरोप है कि इसके बाद भी उनकी पत्नी का ऑपरेशन 5 घंटे की देरी से किया गया।

डॉक्टर पर अमानवीय टिप्पणी का भी आरोप: अभिषेक ने यह भी आरोप लगाया कि इलाज के दौरान एक डॉक्टर ने स्टाफ से कहा, खून वाली पेशेंट को बाहर रखो, मुझे खून भरी लात मार रही है। इस बात को लेकर परिजनों में और भी ज्यादा गुस्सा है।

इंदौर रेफर करने की बात कहकर रोका, सुबह ICU में तोड़ा दम: 12 अक्टूबर की रात को डॉक्टरों ने अभिषेक को बताया कि उनकी पत्नी की हालत गंभीर है और उसे इंदौर रेफर करना होगा, लेकिन कुछ देर बाद ही उन्होंने कहा कि मरीज ठीक है और इलाज यहीं जारी रहेगा। अभिषेक का कहना है कि उन्होंने खून की व्यवस्था भी की, लेकिन उनकी पत्नी का ठीक से इलाज नहीं किया गया। 13 अक्टूबर की सुबह आरती की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें ढ्ढष्ट में भर्ती किया गया, जहां सुबह 6 बजे उनकी मौत हो गई।

पति ने कलेक्टर से की FIR की मांग: अभिषेक ने इस पूरी घटना को डॉक्टरों की लापरवाही का नतीजा बताया है। उन्होंने डॉक्टर लक्ष्मी डूडवे, डॉक्टर नेहा पंवार और अन्य स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कलेक्टर को दिए शिकायती आवेदन में दोषी डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

नर्मदापुरम में गुप्ता ग्राउंड में पटाखा दुकान लगना शुरू

115 दुकानों का लेआउट डाला

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम में दीपावली के लिए गुप्ता ग्राउंड में पटाखा बाजार की तैयारी शुरू हो गई है। यहां 115 दुकानों का लेआउट तैयार कर दिया गया है और रविवार रात से दुकानों के लिए टीन शेड लगाना शुरू हो गया है। 14 अक्टूबर से लाइसेंस वाले व्यापारियों को दुकानें आवंटित की जाएंगी। इस बार पूरा पटाखा बाजार और पार्किंग कैमरों की निगरानी में रहेगा ताकि सुरक्षा बनी रहे। पटाखा बाजार प्रभारी हरीश गोस्वामी ने बताया कि पूरे बाजार की व्यवस्था नगर पालिका द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि गुप्ता ग्राउंड के बाहर कोई भी दुकान लगाता है, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। केवल लाइसेंसधारी व्यापारी ही यहां दुकान लगा सकेंगे। बाजार में पार्किंग स्थल और गैलरी बनाई जा रही हैं। नगर पालिका की ओर से लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है और दमकल वाहन (फायर ब्रिगेड) 24 घंटे मौके पर मौजूद रहेगा।

मिट्टी का टीला ढहा, बच्ची की मौत

श्योपुर में चार बच्चों समेत 5 अस्पताल में भर्ती; दिवाली पर लिपाई के लिए मिट्टी लेने गए थे

श्योपुर, एजेंसी। श्योपुर में मिट्टी का टीला ढहने से 6 लोग उसके नीचे दब गए। इनमें से 12 साल की बच्ची की मौत हो गई जबकि पांच लोग घायल हैं। सभी को विजयपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसा सोमवार सुबह विजयपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुरा गांव में हुआ। बच्ची की पहचान शिवानी पुत्री पान सिंह कुशवाह निवासी लक्ष्मणपुरा के रूप में हुई है। लक्ष्मणपुरा गांव की कुछ महिलाएं घर की लिपाई करने के लिए मिट्टी लेने टीले पर गई थीं। बच्चे भी साथ थे। मिट्टी खोदते वक्त टीला ढह गया। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया तो ग्रामीण वहां पहुंचे। फावड़े और हाथों से मिट्टी हटानी शुरू की। पुलिस को फोन लगाया। जवानों की मदद से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला जा सका। शिवानी छठवीं क्लास में पढ़ती थी। दो बड़ी बहनें और दो छोटे भाई हैं।

हादसे में ये हुए घायल

आशिकी पुत्री करण कुशवाह (8 वर्ष)
अनुष्का पुत्री लालपत कुशवाह (11 वर्ष)
योगेश पुत्र मनोज कुशवाह (8 वर्ष)
मन्नू पुत्र केदार कुशवाह (8 वर्ष)
पूनम पत्नी केदार कुशवाह (30 वर्ष)
सभी लक्ष्मणपुरा गांव के निवासी हैं।

बच्चों को डॉक्टरों की निगरानी में रखा: विजयपुर टीआई राकेश शर्मा ने कहा- शिवानी का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। डॉक्टरों के अनुसार, घायलों की हालत फिलहाल स्थिर है। हालांकि, बच्चों को अतिरिक्त निगरानी में रखा गया है। विजयपुर एसडीएम अभिषेक मिश्रा ने भी अस्पताल पहुंचकर घायलों को बेहतर इलाज देने के निर्देश दिए हैं।

नशे में धुत फॉरेस्ट डिप्टी रेंजर का सड़क पर ड्रामा

खंडवा में पुलिस अफसर पहुंचे तो बोला- किसी ने 5 हजार रूपए लूट लिए

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में रविवार रात को फॉरेस्ट विभाग के एक डिप्टी रेंजर ने देर तक सड़क पर ड्रामा किया। बताया जा रहा है कि वह शराब के नशे में धुत था, जब मौके पर पुलिस अधिकारी पहुंचे तो कहने लगा कि उसके साथ लूट की वारदात हुई है। उसने एटीएम से कुछ पैसे निकाले थे और कार के डेशबोर्ड पर रख दिए थे। इसमें से पांच हजार रूपए गायब हो गए। सिंगाजी रेंज अंतर्गत छनेरा में पदस्थ डिप्टी रेंजर संतोष दिहाड़े ने आरोप लगाया कि वह छनेरा से खंडवा आ रहा था, तभी रास्ते में सिहाड़ा के पास उसकी गाड़ी रोड किनारे उतर गई। इतने में खंडवा तरफ से एक गाड़ी आ रही थी, उस गाड़ी का ड्राइवर उतरा और मेरी कार को रिवर्स लिया। फिर सिहाड़ा से पड़ेला हनुमान मंदिर वाले रास्ते से खंडवा आ गया। यहां देखा कि कार में रखे पैसों में से पांच हजार रूपए गायब थे। डिप्टी रेंजर दिहाड़े ने आगे बताया कि जिस गाड़ी के ड्राइवर ने उसकी मदद की थी। मुझे अंदाजा है कि वह गाड़ी पुलिस की थी, ड्राइवर की कद-काठी भी पुलिस की तरह थी। डिप्टी रेंजर के साथ हुई वारदात की सूचना मिलने के बाद मौके पर सीएसपी अभिनव बारंगे, मोघट टीआई धीरेश धारवाल, कोतवाली टीआई अशोकसिंह चौहान भी पहुंचे थे। नशेड़ी डिप्टी रेंजर ने पुलिस अधिकारियों को कई देर तक उलझाकर रखा।

कैमरे दिखाने का कहा तो बोला- IO को दिखाऊंगा: मौके पर पहुंचे सीएसपी अभिनव बारंगे ने डिप्टी रेंजर से कहा कि तुम्हारी कार में कैमरे लगे है। उन्हें चेक कर लेते है कि किसने लूट की वारदात की है। तभी आरोपी की पहचान हो जाएगी। इस पर डिप्टी रेंजर संतोष दिहाड़े कहने लगा कि मैं कैमरे केवल इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर को दिखाऊंगा। पुलिस अफसरों ने कहा कि तो हम कौन लोग हैं एक काम करो, पहले नशा उतारो फिर थाने आकर शिकायत कराओ।

शहडोल के मड़सा गांव में धर्मांतरण की शिकायत

पुलिस ने किए ग्रामीणों के बयान दर्ज किया

शहडोल। शहडोल के जैतपुर स्थित ग्राम पंचायत भठिया के मड़सा गांव में धर्मांतरण की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की है। भाजपा और विश्व हिंदू परिषद के स्थानीय पदाधिकारियों की लिखित शिकायत के बाद पुलिस ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत की और लगभग एक दर्जन लोगों के बयान दर्ज किए।

शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि मड़सा गांव में भोले-भाले आदिवासियों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराया जा रहा है।

भाजपा की जिला उपाध्यक्ष सुनैना सिंह सैय्याम ने इसे समुदाय के लिए चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी आदिवासी समुदाय के लोगों को उनके विश्वास से भटकाने का प्रयास न करे। भाजपा मछुआरा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम बर्मन ने ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि ये धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती हैं। पुलिस टीम, जिसमें जैतपुर थाना प्रभारी जिला उल हक भी शामिल थे, गांव पहुंची। टीम ने एक प्रजापति समाज के घर में चल रही चंगाई सभा का निरीक्षण किया। इस सभा में बाइबिल का पाठ किया जा रहा था और गोंड समाज के दो पास्टर भी मौजूद थे।

नेपानगर में आरएसएस का शताब्दी वर्ष पथ संचलन

500 से अधिक स्वयंसेवक हुए शामिल, 30 जगह हुआ स्वागत

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) ने विजयादशमी और अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नेपानगर में एक विशाल पथ संचलन निकाला। इसमें 500 से अधिक स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल हुए, जिन्होंने नगर के मुख्य मार्गों पर 4 किलोमीटर की दूरी तय की। यह नेपानगर में अब तक का सबसे बड़ा पथ संचलन बताया जा रहा है, जिसकी कतार लगभग 1 किलोमीटर लंबी थी।

पथ संचलन का नगर में विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। समाजजनों, मातृशक्ति और स्वयंसेवी संगठनों ने 30 से अधिक जगहों पर पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया। मार्ग पर जगह-जगह रंगोली भी बनाई गई थी, जिससे उत्सव का माहौल बन गया।

पथ संचलन की शुरुआत शाम 4 बजे नेपानगर के रामलीला मैदान स्थित 7 नंबर गेट से घोष के साथ हुई। एकत्रीकरण के बाद ध्वज प्रणाम और शस्त्र पूजन किया गया, जिसके बाद योगासन और व्यायाम जैसे कार्यक्रम हुए। मंच पर नगर कार्यवाह तुषार सोनवणे, अतिथि शालिकराम राखोंडे और मुख्य वक्ता जिला प्रचारक अभय विश्वकर्मा उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक अभय विश्वकर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि संघ के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं, लेकिन समाज को संगठित करने का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने प्रभु श्रीराम के सिद्धांतों पर चलने और समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर आकर संगठित होने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विश्वकर्मा ने आगे कहा कि अन्याय, अधर्म और असत्य कितना भी व्याप्त क्यों न हो, जब समाज की सामूहिक शक्ति का निर्माण होता है तो विजय अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि संघ समाज को संगठित कर सामूहिक शक्ति का निर्माण कर रहा है, ताकि राष्ट्र सदैव विजयी रहे और एक संगठित, विजयशाली हिन्दू समाज का निर्माण हो सके।

रोनाल्डो गोल करने से चूके लेकिन पुर्तगाल ने आयरलैंड को 1-0 से हराया

लंदन, एजेंसी। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पेनल्टी किक पर गोल करने से चूक गए लेकिन आखिरी क्षणों में रुबेन नेवेस के गोल की बदौलत पुर्तगाल ने विश्व कप क्वालीफाइंग के यूरोपीय चरण में शनिवार को यहां आयरलैंड को 1-0 से हराकर ग्रुप एफ की तालिका में अपनी बढ़त मजबूत कर ली।

रोनाल्डो मैच के 75वें मिनट में पेनल्टी पर चूक गए लेकिन नेवेस ने (90+1 मिनट) में गोल कर टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने ग्रुप तालिका में नौ अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हंगरी पर पांच अंक की बढ़त कायम कर ली है। ग्रुप के दूसरे मैच में हंगरी ने डेनियल लुकाक्स और ज़ोम्बोर ग्रुबर के गोल की मदद से आर्मेनिया को 2-0 से हराया।

स्पेन ने ग्रुप ई के मैच में जॉर्जिया को 2-0 से हराने के बाद तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। बार्सिलोना के चोटिल प्रतिभाशाली खिलाड़ी लामिन यामल की गैरमौजूदगी में येरेमी पिनो और मिकेल ओयारजाबल के गोल से यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने जीत दर्ज की। ग्रुप के अन्य मैच में तुर्की ने बुल्गारिया को 6-1 से हराया।

नॉर्वे ने ग्रुप आई में एर्लिंग हालैंड की हैट्रिक से इस एकतरफा मैच को 5-0 से अपने नाम किया। हालैंड के नाम अब नॉर्वे के लिए 46 मैचों में 51 गोल हो गए है। टीम की यह छह मैचों में छठी जीत है और वह ग्रुप तालिका में इटली से छह अंक आगे 18 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर है। इटली ने एस्टोनिया को 3-1 से हराया।

दो खराब मैचों से कोई फर्क नहीं पड़ता, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक हार के बाद बोलीं हरमनप्रीत कौर

विशाखापत्तनम, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 में रविवार को एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक हाईस्कोरिंग और रोमांचक मुकाबला खेला गया, जिसमें भारतीय टीम को 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 331 रन चेज कर भारत को हराया। हार के बाद निराश दिखीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि दो खराब मैचों से कोई फर्क नहीं पड़ता। हम आगे के मैचों में वापसी करेंगे। मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा, हमारी शुरुआत जिस तरह की हुई थी, हम 30-40 रन बना सकते थे, लेकिन आखिरी 6-7 ओवरों में हम लगातार विकेट गंवाते रहे। यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट था और हम इसका फायदा नहीं उठा पाए। ओपनर्स ने हमें अच्छी शुरुआत दी। इसीलिए हम काफी रन बना रहे हैं। पिछले 3 मैचों में हम बीच के ओवरों में बल्लेबाजी नहीं कर पाए थे, निचले क्रम ने जिम्मेदारी ली थी, लेकिन आज हम अंत में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। कौर ने कहा, अगले कुछ मैच बहुत महत्वपूर्ण हैं और इस मैच से कई सकारात्मक बातें सामने आई हैं।

विमेंस वर्ल्ड कप 2025

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 3 विकेट से हराया, एलिसा हीली का धमाकेदार शतक

विशाखापट्टनम, एजेंसी। भारत महिला क्रिकेट टीम को विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। मेजबान भारत को रविवार को डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक मुकाबले में 3 विकेट से पराजित किया। इससे पहले भारत को अपने पहले मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ शिकस्त मिली थी। भारत की दमदार शुरुआत, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने लिखा इतिहास विशाखापट्टनम की पिच पर भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 330 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। स्मृति मंधाना (80 रन) और प्रतिका रावल (75 रन) की शानदार साझेदारी ने टीम इंडिया को सशक्त स्थिति में पहुंचाया। मध्यक्रम में हरमनप्रीत और दीप्ति शर्मा ने भी तेज़ पारी खेली, जिससे लगा कि भारत मैच पर पकड़ बना लेगा।

लेकिन ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने उस उम्मीद को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने 142 रन की मैच विनिंग पारी खेली और टीम को 49वें ओवर में जीत की मंज़िल तक पहुंचाया। हीली को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

एलिस पेरी और एनाबेल सदरलैंड का योगदान

जब हीली आउट हुईं तो ऑस्ट्रेलिया को अभी भी 50 से ज्यादा रन चाहिए थे। लेकिन अनुभवी एलिस पेरी (47 नाबाद) ने निचले क्रम के साथ संयम से बल्लेबाजी करते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। गेंदबाजी में एनाबेल सदरलैंड ने करिश्माई प्रदर्शन किया—उन्होंने महज़ 40 रन देकर 5 विकेट झटके और भारत की बल्लेबाजी को बीच में ही झटका दे दिया।

भारत के गेंदबाजों की नाकामी

भारत की ओर से दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर ने 2-2 विकेट लिए, जबकि श्री चरणी को 3 विकेट मिले। लेकिन भारत की सबसे बड़ी चिंता — डेथ ओवरों में नियंत्रण की कमी — एक बार फिर सामने आई। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज़ों ने आख़िरी 10 ओवरों में 90 से ज़्यादा रन जोड़ डाले, जिससे भारत की जीत की उम्मीदें धूमिल हो गईं।

रिकॉर्ड बुक में दर्ज हुआ नया इतिहास

इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस वनडे इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज़ पूरा किया। उन्होंने 2024 में श्रीलंका द्वारा बनाए गए 305 रन के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। यह भारत के खिलाफ किसी भी टीम द्वारा किया गया सबसे बड़ा सफल रन चेज़ भी है।

भारत की स्थिति अब मुश्किल

लगातार दूसरी हार के बाद भारत के लिए सेमीफाइनल की राह और मुश्किल हो गई है। अब टीम को अपने बचे हुए सभी मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा —हमने 330 रन बनाकर अच्छा स्कोर किया था, लेकिन गेंदबाजी में हम योजनानुसार अमल नहीं कर पाए। हमें अगले मैचों में डिप्लोमैटिक तौर पर सोचकर बॉलिंग करनी होगी। एलिसा हीली की बल्लेबाज़ी के साथ-साथ उनकी कप्तानी भी शानदार रही। उन्होंने हर ओवर में रणनीतिक फील्डिंग बदलाव किए और भारतीय बल्लेबाज़ों पर दबाव बनाए रखा। उनकी संयमित पारी ने दिखाया कि क्यों ऑस्ट्रेलियाई टीम दुनिया की सबसे स्थिर और संतुलित टीम मानी जाती है।

अरशद नदीम के कोच सलमान इकबाल पर लगा आजीवन प्रतिबंध

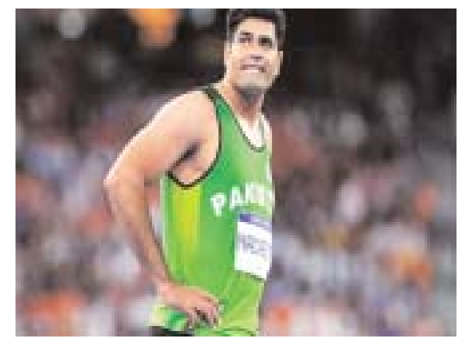

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम के लंबे समय से कोच रहे सलमान इकबाल पर पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ (PAAF) ने रविवार को आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। उन पर पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने का आरोप है। प्रतिबंध के तहत, सलमान इकबाल अब किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि, कोचिंग या संगठनात्मक भूमिका में भाग नहीं ले सकेंगे। महासंघ ने आरोप लगाया कि इकबाल ने अगस्त में पंजाब एथलेटिक्स संघ के चुनाव कराकर नियमों का उल्लंघन किया। सितंबर के मध्य में गठित एक जांच समिति ने रिपोर्ट सौंपी और 10 अक्टूबर को इकबाल पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। यह फैसला उस विवाद के तुरंत बाद आया जब पाकिस्तान खेल बोर्ड (PSB) ने इकबाल से टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अरशद नदीम के खराब प्रदर्शन पर स्पष्टीकरण मांगा था। PSB ने यह भी पूछा था कि एथलीट के प्रशिक्षण और यात्रा पर खर्च कैसे किया गया। इकबाल ने अपने जवाब में खुलासा किया कि पिछले एक वर्ष से PAAF ने अरशद नदीम से जुड़े किसी भी मामले में भाग नहीं लिया, और उन्हें दक्षिण अफ्रीका में प्रशिक्षण और पिंडली की चोट से उबरने के लिए निजी आर्थिक मदद का सहारा लेना पड़ा।

विराट कोहली करना चाहेंगे दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम, सिर्फ इतने रन दूर

मुंबई, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आगामी तीन मैचों की ओडीआई सीरीज से पहले सभी की नजरें विराट कोहली पर टिकी हैं। भारतीय क्रिकेट के इस स्टार बल्लेबाज के लिए यह सीरीज कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड हासिल करने का मौका लेकर आ रही है।

कोहली सिर्फ 54 रन से ओडीआई में श्रीलंका के कुमार संगकारा (14,234 रन) को पछाड़कर दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। वहीं, यदि वे ODIs और T20Is को मिलाकर व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनते हैं, तो सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी उनके पीछे रह जाएगा।

इसके अलावा कोहली के नाम अब तक 1,477 चौके हैं। 23 और चौके जोड़कर वह केवल सचिन तेंदुलकर और सनथ जयसूर्या के साथ 1,500 चौकों के क्लब में शामिल हो जाएंगे।

हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक के बावजूद कोहली की हालिया फॉर्म शानदार रही है। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने पांच मैचों में 218 रन बनाए, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ शतक और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक शामिल था।

ऑस्ट्रेलिया में अब तक कोहली ने 29 ओडीआई में 1,327 रन बनाए हैं, औसत 51.03 और स्ट्राइक रेट 89.06 के साथ। इस प्रदर्शन ने यह साबित किया है कि वे पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क जैसे तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी कमाल कर सकते हैं।

सीरीज में कोहली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। उनके अनुभव और स्थिरता की मदद से युवा बल्लेबाजों जैसे शुबमन गिल और यशस्वी जयसवाल के साथ मजबूत साझेदारी बनाना टीम के लिए निर्णायक साबित होगा।

महिला विश्व कप - भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच में बना छक्कों का रिकॉर्ड

विशाखापत्तनम, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 में रविवार को एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक हाईस्कोरिंग और रोमांचक मुकाबला खेला गया, जिसमें भारतीय टीम को 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम द्वारा दिए गए 331 के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। महिला वनडे विश्व कप के इतिहास को देखा जाए तो यह मैच सर्वाधिक छक्कों के लिए याद किया जाएगा। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 330 रन बनाए थे। प्रतिका रावल ने अपनी 75 रन की पारी में 1 छक्का लगाया था। वहीं, स्मृति मंधाना ने अपनी 80 रन की पारी में 3 छक्के लगाए। हरलीन देओल ने 1 और ऋचा घोष ने 2 छक्के लगाए। कुल मिलाकर भारतीय टीम की तरफ से 7 छक्के लगे। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कप्तान एलिसा हिली ने अपनी 142 रन की पारी में 3 छक्के लगाए। फोएबे लिचफिल्ड, एल्सी पेरी, और एश्ले गार्डनर ने 1-1 छक्का लगाया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 6 छक्के लगे।

कुल मिलाकर मैच में 13 छक्के लगे। महिला वनडे विश्व कप के इतिहास में किसी मैच में लगे सर्वाधिक छक्कों का यह रिकॉर्ड है।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने एक विश्व रिकॉर्ड बनाया। ऑस्ट्रेलिया ने 331 रन का लक्ष्य हासिल कर महिला वनडे क्रिकेट में नया इतिहास रचा। महिला वनडे क्रिकेट का यह सबसे बड़ा चेज है। पूर्व का रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम था। श्रीलंका ने 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 302 का लक्ष्य हासिल किया था। 301 के जवाब में श्रीलंका ने 305 रन बनाए थे। भारतीय टीम की यह लगातार दूसरी हार है। पिछले मैच में हरमनप्रीत एंड कंपनी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद भारतीय टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर चली गई है। भारतीय टीम का अगला मैच इंग्लैंड से है, जो टूर्नामेंट में अब तक अपराजित रही है।

वाशेरोट ने अपने चचेरे भाई रिंडरनेच को हराकर शंघाई मास्टर्स खिताब जीता

शांघाई, एजेंसी। वैलेंटिन वाशेरोट ने क्वालीफाइंग दौर से मुख्य दौर में जगह बनाने के बाद रविवार को अपने चचेरे भाई आर्थर रिंडरनेच को 4-6, 6-3, 6-3 से हराकर शंघाई मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में 204वें स्थान पर काबिज 26 साल के वाशेरोट एटीपी मास्टर्स 1000 के इतिहास में सबसे कम रैंकिंग वाले विजेता है। वह एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर का खिताब जीतने वाले मोनाको के पहले खिलाड़ी भी है। वाशेरोट ने सेमीफाइनल में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन दिग्गज नोवाक जोकोविच को हराया था जबकि रिंडरनेच ने चार ग्रैंडस्लैम का फाइनल खेलने वाले दानिल मेदवेदेव को शिकस्त दी थी।

शेखावाटी स्ट्राइकर्स ने जीती खेलो क्रिएटर्स लीग 2025 के पहले सीजन की ट्रॉफी

जयपुर, एजेंसी। जयपुर के सीतापुरा स्थित, ज़ी स्टूडियोज़ में चल रहे खेलो क्रिएटर्स लीग (केसीएल) का ग्रैंड फाइनल शानदार अंदाज में संपन्न हुआ, जहाँ शेखावाटी स्ट्राइकर्स ने पिंक सिटी पलटन को 29 रनों से हराकर पहला संस्करण चैंपियन बना। विनय राजपूत के 38 गेंदों पर 11 छक्कों की मदद से बनाए गए 68 रनों की धमाकेदार पारी की बदौलत स्ट्राइकर्स ने 3 विकेट पर 184 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया और जोश से भरे दर्शकों के सामने खिताब अपने नाम किया। लीग अपने पहले सीज़न में 8 ओवरों का एक रोमांचक प्रारूप शामिल था जिसमें एक %जैकपॉट ओवर% भी शामिल था जो कुछ ही सेकंड में खेल का रुख बदल सकता था। इस लीग में उत्तर भारत के शीर्ष क्रिएटर्स और मशहूर हस्तियों ने भाग लिया, जिनमें राहुल चौधरी, विकल्प मेहता, कुलदीप सिंघानिया, छोटू सिंह, जूनियर पांड्या, ऋषभ धोनी और जूनियर कोहली शामिल थे, जिन्होंने मनोरंजन और प्रतिस्पर्धा को एक मंच प्रदान किया। लीग में एक विशेष मैच अभी नहीं! पहले सपने साकार हो, फिर शादी का विचार हो अभियान को बढ़ावा देने के साथ आईपीएस अधिकारी, पंकज चौधरी और जिला जज पवन जीनवाल के नेतृत्व में जज लायंस और एडमिन वॉरियर्स के बीच खेला गया। इस मैच ने बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता पर प्रकाश डाला, जिसमें एडमिन वॉरियर्स विजयी रहे। सीज़न की सफलता पर, अटलांचर स्पोर्ट्स के संस्थापक, शुभम चौधरी ने कहा, खेलो क्रिएटर्स लीग केवल क्रिकेट के बारे में नहीं है - यह समावेश, रचनात्मकता और बदलाव के संदेश के बारे में है। अटलांचर स्पोर्ट्स के वाईस प्रेजिडेंट, जशन प्रीत कौर ने कहा, मिक्स-जेंडर प्रारूप और जैकपॉट ने हर खेल को अप्रत्याशित और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। केसीएल के सीईओ, राहुल चौधरी ने कहा, केसीएल खेल, मनोरंजन और सामाजिक जागरूकता का एक नए युग का उत्सव है - और यह तो बस शुरुआत है। केसीएल 2025 ने क्रिएटर-नेतृत्व वाले खेल मनोरंजन को फिर से परिभाषित किया और अगले सीज़न को और भी बड़े बनाने के लिए मंच तैयार किया।

जॉन कैंपबेल ने भारत के खिलाफ टेस्ट में शतक लगाकर तोड़े कई रिकॉर्ड, एक है 19 साल पुराना

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के ओपनर बल्लेबाज जॉन कैंपबेल ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शतक लगाकर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। जॉन कैंपबेल ने छक्के के साथ टेस्ट में अपना पहला शतक लगाया और ऐसा करने वाले पांचवें बल्लेबाज बने। इसी के साथ ही वह पहले टेस्ट शतक के लिए सबसे ज्यादा इनिंग्स खेलने वाले खिलाड़ी भी बने। इतना ही नहीं 19 सालों में कैंपबेल भारत के खिलाफ शतक लगाने वाले पहले सलामी बल्लेबाज भी बने। उन्होंने रविंद्र जडेजा के हाथों स्लब्ड होने से पहले 199 गेंदों पर कुल 115 रन बनाए जिसमें 12 चौके और 3 छक्के शामिल थे।

छक्के के साथ अपना पहला टेस्ट शतक पूरा करने वाले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज

कोलिन्स किंग
रॉबर्ट सैमुअल्स
रिडले जैकब्स
शेन डॉरिच
जॉन कैंपबेल

वर्तमान टेस्ट कप्तान रोस्टन चेज अक्टूबर 2018 में हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में भारत के खिलाफ शतक बनाने वाले आखिरी वेस्टइंडीज बल्लेबाज थे। कैंपबेल ने भी सबसे लंबे प्रारूप में पहली बार 100 रन का आंकड़ा पार करने के लिए 50 पारियां (25 टेस्ट) लीं।

सलामी बल्लेबाज के रूप में अपना पहला टेस्ट शतक बनाने के लिए सबसे ज़्यादा पारियां खेलने वाले खिलाड़ी

ट्रेवर गोडार्ड - 58 इनिंग्स
जॉन कैंपबेल - 50 इनिंग्स
डैरेन गंगा - 44 इनिंग्स
इमरुल कायेस - 32 इनिंग्स
बॉब सिम्पसन - 31 इनिंग्स

19 साल में भारत के खिलाफ शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के पहले सलामी बल्लेबाज: इस बीच जॉन कैंपबेल 19 साल में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के पहले सलामी बल्लेबाज बन गए हैं। मौजूदा टेस्ट मैच में कमेंट्री कर रहे डैरेन गंगा ऐसा करने वाले आखिरी सलामी बल्लेबाज थे, जिन्होंने 2006 में 135 रन बनाए थे। इसके अलावा कैंपबेल कैरेबियाई देशों के पहले सलामी बल्लेबाज हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ भारत में टेस्ट शतक लगाया है। इससे पहले वेवेल हिंड्स 2002 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में ऐसा करने वाले आखिरी बल्लेबाज थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने तीसरे विकेट के लिए शाई होप के साथ 177 रन भी जोड़े, जिससे वेस्टइंडीज के लिए भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में 150+ साझेदारियों का 14 साल का सूखा खत्म हुआ।

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण करके विभाग की ग्रेडिंग सुधारें : कलेक्टर

पंजीकृत किसानों के रकबे का 7 दिवस में सत्यापन करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके विभाग की ग्रेडिंग सुधारें। कोई भी विभाग ग्रेडिंग में सी और डी श्रेणी में न रहे। आवेदकों से स्वयं संपर्क करके प्रकरणों का निराकरण करें। महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए विकासखण्ड स्तर पर शिविर लगाएं। सभी प्रकरणों में तथ्यों सहित निराकरण दर्ज करें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें।

कलेक्टर ने कहा कि धान उपार्जन के लिए 67 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। इनमें सिकमी, बटाईदार, पाँच हेक्टेयर से अधिक रकबा दर्ज करने वाले तथा पंजीयन के अंतिम सप्ताह में पंजीयन कराने वाले सभी किसानों के रकबे का सत्यापन करें। एसडीएम तहसीलदारों के माध्यम से रकबे का सत्यापन कराएं साथ ही स्वयं भी कम से कम 20 किसानों के रकबे का सत्यापन करें। एसडीएम त्यौहारों के दौरान अपने अनुभाग में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। सभी सीएमओ विशेष अभियान चलाकर नगरीय निकायों के सार्वजनिक स्थलों, सड़क, बाजार तथा खाली पड़े प्लाटों से कचरे का उठाव कराएं। नगर की स्ट्रीट लाइट भी दुरूस्त रखें।

कलेक्टर ने कहा कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा सीएमओ संबल योजना के हितग्राहियों के पंजीयन एवं ई केवायसी कराने में तत्परता दिखाएं। सभी एसडीएम संबल योजना में लंबित अपील के 101 प्रकरण दो दिवस में निराकृत करें। बैठक में कलेक्टर ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण, स्वामित्व योजना, पेयजल व्यवस्था, कंदैला समूह नल-जल योजना के निर्माण कार्यों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पूर्ण नल-जल योजनाओं को समारोहपूर्वक ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करें। जिला आपूर्ति अधिकारी तहसीलवार तैनात टीम के माध्यम से उचित मूल्य दुकानों में उपलब्ध राशन का सत्यापन कराकर तीन दिवस में प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। सभी अधिकारी स्वच्छता अभियान के तहत कार्यालय में लंबित आवेदन पत्रों का विशेष प्रयास करके निराकरण करें।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि अधिकारी जनजातीय कार्य विभाग द्वारा दी गई गूगल शीट में आदि कर्मयोगी योजना से जुड़ी विभागीय जानकारी तत्काल दर्ज करा दें। आई जीओटी में प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारियों और कर्मचारियों की जानकारी प्रस्तुत करें। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर सुधीर बेक, डिप्टी कलेक्टर सुधाकर सिंह, डिप्टी कलेक्टर आरके सिन्हा, डिप्टी कलेक्टर जीपी अग्रवाल, सभी एसडीएम तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शहर में बिना अनुमति जुलूस और रैली निकालने पर प्रतिबंध, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने जारी किया आदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने रीवा शहर में लोकहित और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आदेश जारी किया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी इस आदेश में कहा गया है कि आम जनमानस की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए रीवा शहर के अंदर कोई भी जुलूस या रैली अथवा वाहन रैली बिना पूर्व सूचना और अनुमति के नहीं निकाली जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। आदेश में उल्लेख किया गया है कि पूर्व में शहर के अंदर विभिन्न मार्गों पर अचानक बिना किसी पूर्व अनुमति के निकाले गए जुलूसों और रैलियों के कारण नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा है। साथ ही ऐसी गतिविधियाँ बिना किसी सूचना के निकाले जाने पर विवाद की संभावना को बढ़ाती हैं, जिससे कानून व्यवस्था स्थिति निर्मित होती है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर लोकहित में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से यह आदेश जारी किया है। यदि किसी समुदाय को शहर के अंदर बिना किसी पूर्व सूचना के जुलूस अथवा रैली निकालते हुए पाया जाता है तो उनके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिले में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को इस आदेश की व्यक्तिशः तामीली नहीं कराई जा सकती। इसलिए इसे सार्वजनिक माध्यमों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा समाचार-पत्रों के माध्यम से सर्व साधारण को अवगत कराया जा रहा है।

खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों पर करें सख्त कार्रवाई : अपर कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी दीपावली एवं अन्य त्यौहारों को देखते हुए बाज़ारों में खाद्य पदार्थों में मिलावट को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने ज़िले के समस्त खाद्य सुरक्षा अधिकारियों अपने-अपने क्षेत्रों में आने वाली खाद्य पदार्थों की दुकानों का निरीक्षण करने का आदेश जारी किया है। अपर कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले दुकानदारों के खिलाफ तत्काल प्रकरण तैयार करने और सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं कि वे अपनी प्रतिदिन की गई कार्रवाई की जानकारी इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। यह आदेश विशेष रूप से दीपावली के त्यौहार से पहले बाज़ारों में खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से जारी किया गया है, ताकि आम जनता को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

नगरीय निकायों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाएं : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि रीवा नगर निगम तथा सभी नगर पंचायतों में विशेष अभियान चलाकर सभी सार्वजनिक स्थलों, सड़कों तथा मंदिर परिसरों की साफ-सफाई कराएं। दीवाली से पहले भारी मात्रा में सूखा कचरा निकलता है। इसका तत्काल उठाव करने के लिए अतिरिक्त वाहन और कर्मचारी तैनात करें। नगर के खाली पड़े प्लाटों से भी कचरे का उठाव कराएं। रेमकी कंपनी में कचरे का का प्रबंधन करने वाले अभी केवल उन्हीं निकायों से कचरा लें जिनसे अनुबंध है। बाहर से कचरा लेकर आने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि सभी सीएमओ नगर पंचायतों में साफ-सफाई के साथ-साथ पेयजल व्यवस्था और स्ट्रीट लाइट को चालू रखने पर भी विशेष ध्यान दें। अमृत-2 योजना से स्वीकृत निर्माण कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा कराएं। मनगवां में मलकपुर तालाब में स्वीकृत निर्माण कार्य को वर्तमान स्तर पर बंद करके उसे स्थान पर अन्य स्थल पर कार्य कराएं। एसडीएम त्योंथर पार्क निर्माण के लिए त्योंथर में तत्काल जमीन उपलब्ध कराकर निर्माण कार्य शुरू कराएं। सीएमओ चाकघाट स्वीकृत नाली निर्माण का कार्य पूरा कराएं। सिरमौर में रानी तालाब के सौन्दर्यीकरण के कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। एसडीएम इस संबंध में मिल रही शिकायतों की ठीक से जाँच करें।

कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए तत्काल पट्टे जारी करें। साथ ही अपात्र व्यक्तियों के नाम सूची से पृथक कराएं। सीएमओ प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को समय पर किश्त जारी कर आवास का निर्माण पूरा कराएं। अग्रणी बैंक प्रबंधक 3 से 12 लाख रुपए तक आवास ऋण लेने वाले हितग्राहियों की सूची बैंकों से प्राप्त कर नगरीय निकायों को उपलब्ध कराएं। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने अमृत-2 योजना से स्वीकृत निर्माण कार्यों की जानकारी दी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्ट पर प्रतिबंध, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने त्यौहारों के दृष्टिगत जारी किया आदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में त्यौहारों के दौरान कानून व्यवस्था और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम आदि पर किसी भी प्रकार के झूठे, भ्रामक, विवादास्पद या आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो या फोटो को प्रसारित करने पर तत्काल रोक लगा दी गई है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर ऐसा कोई भी कंटेंट पोस्ट, शेयर, फॉरवर्ड या वायरल नहीं करेगा जिससे सामाजिक, साम्प्रदायिक सद्भाव बिगड़ने या कानून व्यवस्था खराब होने की संभावना हो। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ़ भारतीय न्याय संहिता 2023 की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सभी नागरिकों से कानून और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की अपील की गई है। ज़िले के पुलिस अधीक्षक को भी इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को इस आदेश की व्यक्तिशः तामीली नहीं कराई जा सकती। इसलिए इसे सार्वजनिक माध्यमों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा समाचार-पत्रों के माध्यम से सर्व साधारण को अवगत कराया जा रहा है।

रोजगार मेला 16 अक्टूबर को शासकीय टीआरएस कॉलेज में, विभागीय अधिकारियों को सौंपे गये दायित्व

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शासकीय टीआरएस कॉलेज रीवा में 16 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मेला के आयोजन के लिये विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। रोजगार मेले में 65 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा।

मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 7000 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में मिग्मा पैकट्रॉन प्रा.लि. इंदौर, बजाज मोटर्स लिमि. हरिद्वार,उत्कर्ष स्मोल फाइनेन्स प्रा.लि. जबलपुर, मुद्रा सोलर प्रा.लि. (अडानी सोलर) कच्छ गुजरात, क्रेस क्रॉप लि. भोपाल, सिनोवा गियर्स एण्ड ट्रांसमिशन प्रा.लि. राजकोट, गुजरात, पीएसएमएल बॉश ग्रुप पुणे महाराष्ट्र, सार्क इन्फो सैल्यूशन गुजरात, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर, धार (म.प्र.), लार्सन एण्ड टुब्रो अहमदाबाद गुजरात, जय भारत मारूती हरियाणा, जिंदल पाइप्स गाजियाबाद, विनप्रेज इन्फो मीडिया प्रा.लि. लखनऊ, भारतीय जीवन बीमा निगम रीवा, एप्टिव कंपोनेट्स इंडिया प्रा.लि. अहमदाबाद गुजरात, ब्रोक्स इंडिया प्रा.लि. झगड़िया गुजरात, जस्ट डायल रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा.लि. रीवा, अलर्ट एसजीएस प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़, ग्रेट आर्गेनिक डायमंड प्राईवेट लि. सागर, सिटी कार प्रा.लि. सतना, प्रगतिशील एग्रोटेक, प्रा.लि. रीवा, एच.डी.एफ.सी. लाईफ इश्योरेन्स कम्पनी लिमि. रीवा, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा.लि. रीवा, स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा.लि. भोपाल, प्रगतिशील बॉयोटेक प्रा.लि. सवेरा होटल के पास सतना, बजाज अलियाज प्रा.लि. रीवा, ऑल इन वन सर्विसेस रीवा, आईसीआईसीआई प्रोडेंशियल रीवा, कन्टेम्परेरी सर्विसेज कॉर्पोरेशन इंडिया प्रा.लि. इंदौर, प्रतिभा सिन्टेक्स लि. पीथमपुर धार, अनुसुइया पुरातत्व सेवा प्रा.लि रीवा, शिवशक्ति एग्रीटेक लि. कम्पनी जबलपुर, टाटा मोटर ऑटोमोबाइल कम्पनी अहमदाबाद गुजरात, फिएट इंडिया ऑटोमोबाइल्स प्रा.लि. हायर अप्लीएन्सेस, फ्लैट ऑटोमोबाइल में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

जिले में खाद्य सामग्री के लिये गये नमूने

मिठाई की दूकानों का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। दीपावली त्यौहार की दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर संजय जैन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान अंतर्गत शिव भोले समोसा एवं मिष्ठान भंडार देवतालाब से गुणवत्ता की जांच हेतु लड्डू, बर्फी एवं खोवा के नमूने लिए गए। विक्रेता को खाद्य पदार्थ ढक कर रखने की समझाइए दी गई। श्री राम गोपाल मिष्ठान भंडार से खोवा बर्फी, छैना रसगुल्ला एवं जलेबी का नमूना मिलावट के शंका के आधार पर लिया गया साथ ही विक्रेता को प्रतिष्ठान में साफ सफाई न होने के कारण परिसर को साफ रखने की सख्त हिदायत दी गई।

इसी क्रम में रतनगंवा स्थित प्रमोद मिष्ठान भंडार के निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठान स्वच्छ नहीं पाया गया। विक्रेता को परिसर साफ रखने की सख्त हिदायत दी गई विक्रेता को खाद्य पदार्थों को ढककर रखना एवं स्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों का निर्माण करने की समझाइए दी गई। गुणवत्ता में शंका के आधार पर मगज के लड्डू एवं बर्फी का नमूना जांच के लिये लिया गया। हीरा किराना स्टोर से गुणवत्ता में संख्या के आधार पर मूंगफली गुड सोन पापड़ी एवं नमकीन का नमूना लिया गया। विक्रेता को खाद एवं खाद्य पदार्थों को अलग-अलग भंडारित करने की समझाइए दी गई साथ ही एक्सपायर सामान को नष्ट कराया गया उक्त जांच उपरांत अमानत पाए गए नमूनों पर संबंधित खाद्य विक्रेताओं के विरुद्ध विरुद्ध विधिक कार्यवाही प्रस्तावित की जा रही है।

आतिशबाजी लायसेंस के लिए आवेदन की अंतिम तिथि आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दीपावली के अवसर पर आतिशबाजी विक्रेता 14 अक्टूबर को शाम 6 बजे तक एमपी ई सर्विस पोर्टल के माध्यम से आतिशबाजी लायसेंस के लिए आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से करना होगा। शहरी क्षेत्र रीवा के लिए आतिशबाजी लायसेंस के आवेदन की हार्ड कॉपी कलेक्टर कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। शहरी क्षेत्र में आतिशबाजी लायसेंस के नवीन आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। इस संबंध में अपर जिला दण्डाधिकारी सपना त्रिपाठी ने बताया कि आतिशबाजी लायसेंस के आवेदन के साथ पुलिस चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट फोटो, वोटर आईडी, एवं आधार कार्ड की छायाप्रति और 500 रूपये शुल्क लोक सेवा केंद्र के माध्यम से जमा करना होगा। आतिशबाजी/पटाखा विक्रय के लिए अस्थाई लायसेंसधारी को बेसिक ट्रेनिंग स्कूल ग्राउंड खुटेही तथा ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित स्थानों में दुकान लगानी होगी।

अपर जिला दंडाधिकारी ने बताया कि दुकानों का आवंटन 16 अक्टूबर को अपरान्ह 3 बजे से लाटरी द्वारा किया जायेगा। लायसेंसधारी दुकानदारों को 18 अक्टूबर से एक नवम्बर तक आतिशबाजी, पटाखा विक्रय के लिए बेसिक ट्रेनिंग स्कूल ग्राउंड खुटेही में तथा ग्रामीण क्षेत्र में निर्धारित स्थान पर दुकान लगाने की अनुमति दी जायेगी। आतिशबाजी विक्रय के निर्धारित स्थल के अतिरिक्त कहीं भी आतिशबाजी की दुकान लगाना व विक्रय करना दण्डनीय अपराध माना जायेगा। अत्यधिक आवाज वाले पटाखों का विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। सभी अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी को भारत सरकार द्वारा जारी दीपावली पर्व पर आतिशबाजी के क्रय-विक्रय हेतु निर्देशों का पालन करना होगा। दुकानों का लेआउट एवं नंबरिंग व आवंटन लाटरी के माध्यम से करने के लिए समिति बनायी गयी है। समिति में डिप्टी कलेक्टर आर.के. सिन्हा, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, नायब तहसीलदार तेजपति सिंह तथा एसके गर्ग कार्यपालन यंत्री को शामिल किया गया।

अपर कलेक्टर ने कहा कि आतिशबाजी को सुरक्षित एवं अज्वलनशील सामग्री से बने टीन शेड का निर्माण व एक अग्नि शमन यंत्र एवं दो रेत की बाल्टी की व्यवस्था लायसेंसधारी स्वयं करेगा। दुकान के सुरक्षा की जिम्मेदारी लायसेंसधारी व्यापारी की होगी। आतिशबाजी की अस्थाई दुकानें एक दूसरे से 3 मीटर की दूरी पर एवं किसी सुरक्षित स्थल से 50 मीटर की दूरी पर होंगी। यह अस्थाई दुकानें एक-दूसरे के आमने-सामने नहीं होगी। सुरक्षा की दृष्टि से इन दुकानों में प्रकाश के लिए किसी प्रकार का तेल लैम्प, गैस लैम्प एवं खुले बिजली बत्तियों का उपयोग नहीं होगा। यदि किसी बिजली की लाइनों का उपयोग किया जाता है तो उसे या तो दीवाल या छत पर दृढ़ता से लगाना होगा एवं किसी प्रकार के तार लटके नहीं होगे।

राशि उपलब्ध होने के बाद भी निर्माण कार्य न करने वाली 6 पंचायतों के सचिवों को कलेक्टर ने निलंबन के दिए निर्देश

ग्रामीण विकास के कार्य तत्परता से कराए जाएं : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिले की ग्राम पंचायतों में ग्रामीण विकास के कार्यों को प्राथमिकता से कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को लाभ मिले इसके लिए जिला पंचायत स्तर से भी लगातार मॉनीटरिंग होनी चाहिए। उन्होंने जिले की 6 ग्राम पंचायतों में पर्याप्त राशि उपलब्ध होने के बाद भी कार्य न कराने पर ग्राम पंचायत सचिवों को निलंबित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सिरमौर जनपद पंचायत के दुलहरा ग्राम पंचायत सचिव मदेनी प्रसाद कोल, राजगढ़ ग्राम पंचायत के सचिव आदर्श पाण्डेय, रीवा जनपद पंचायत के अमिरती ग्राम पंचायत सचिव अनिल चौरसिया, गंगेव जनपद पंचायत के क्योटी ग्राम पंचायत सचिव कुवेर सिंह, जवा जनपद पंचायत के छदहना ग्राम पंचायत सचिव छेदीलाल विश्वकर्मा तथा रायपुर कर्चुलियान जनपद पंचायत के नवागांव ग्राम पंचायत सचिव देवेन्द्र बहादुर सिंह को निलंबित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिले में अन्य ऐसी पंचायतें जिनमें राशि उपलब्ध है तथा वहाँ विकास के कार्य नहीं कराए जा रहे हैं उनके सचिवों के विरूद्ध भी दण्डात्मक कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायतों में सरपंचों द्वारा यदि विकास कार्य में बाधा उत्पन्न की जा रही हो तो उनके विरूद्ध भी कार्यवाही प्रस्तावित करें।

कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में जिला पंचायत के अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि संबंधित ओआईसी अपने कार्यों का लगन व निष्ठा से संपादन करें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही व शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि डीएमएफ सहित अन्य सभी कार्यों के पूर्ण होने पर उनके पूर्णता प्रमाण पत्र जारी कराएं तथा अप्रारंभ कार्यों को तत्काल प्रारंभ करें। उन्होंने निर्देश दिए कि मनरेगा के परियोजना अधिकारी जनपद स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में उपस्थित रहकर कार्यों की सतत मानीटरिंग करें। कलेक्टर ने मध्यान्ह भोजन का विद्यालयों में मीनू के अनुसार वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिला पंचायत स्तर से क्वालिटी की मॉनीटरिंग की जाए साथ ही समूहों को सही ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए जाएं और जो समूह ठीक ढंग से कार्य न करें उन्हें ब्लैक लिस्टेड करें। कलेक्टर ने पंचायतों में शिकायतों की समय पर जाँच करने तथा गत 6 माह में हुए निर्णय पर वसूली की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने आरईएस द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि सीईओ जिला पंचायत कार्यों का स्वतः निरीक्षण करें पूर्ण कार्यों की सीसी जारी कराएं और अप्रारंभ कार्यों को लेआउट देकर प्रारंभ किया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर सहित जिला पंचायत में पदस्थ अधिकारी एवं जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस आशीष दुबे उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।